दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

सिस्टम में न्याय के लिए एकजुट ...8

सिद्धार्थनगर
गुरुवार, 14 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 145 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

मोदी कैबिनेट ने गैस संकट को दूर करने के लिए उठाया बड़ा कदम, देश में अब कोयले से बनेगी गैस, खरीफ फसलों का एमएसपी बढ़ाने को भी मंजूरी दी

वर्तमान वैश्विक चुनौतियों और गैस आपूर्ति को लेकर पैदा हो रहे संकट के बीच मोदी सरकार ने बड़ा मास्टर स्ट्रोक चलते हुए देश के विशाल कोयला भंडार को ऊर्जा आत्मनिर्भरता का आधार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कोयले से गैस बनाने की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दी गयी। सरकार का मानना है कि अगले चार से पांच वर्षों में बड़े पैमाने पर कोयले से गैस का उत्पादन शुरू होने पर भारत गैस के मामले में आत्मनिर्भर बन सकेगा और उसे वर्तमान जैसी वैश्विक आपूर्ति चुनौतियों तथा आयात निर्भरता का सामना नहीं करना पड़ेगा। आज लिये गये फैसलों की जानकारी संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिये 37 हजार 500 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य वर्ष 2030 तक 10 करोड़ टन कोयले के गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य को गति देना है। इसके तहत लगभग 7 करोड़ 50 लाख टन कोयला और लिग्नाइट के गैसीकरण का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का मानना है कि इससे देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और एलएनजी, यूरिया, अमोनिया तथा मेथनाल जैसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम होगी। योजना के अंतर्गत संयंत्र और मशीनरी लागत का अधिकतम 20 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दिया जायेगा। किसी एक परियोजना के लिये पांच हजार करोड़ रुपये तक की सीमा तय की गयी है। सरकार ने यह भी फैसला किया है कि गैसीकरण परियोजनाओं के लिये कोयला आपूर्ति अवधि को बढ़ाकर 30 वर्ष किया जायेगा ताकि निवेशकों को दीर्घकालिक स्थिरता मिल सके। इस योजना से लगभग ढाई से तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश आने की संभावना है और करीब 50 हजार प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। सरकार के

अनुसार इससे राज्यों को हर वर्ष लगभग छह हजार 300 करोड़ रुपये का राजस्व भी प्राप्त होगा।

मंत्रिमंडल की बैठक में खरीफ विपणन मौसम 2026–27 के लिये 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी को भी मंजूरी दी गयी। सरकार ने कहा कि इसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। सूरजमुखी के बीज के समर्थन मूल्य में सबसे अधिक 622 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गयी है। इसके बाद कपास में 557 रुपये, रामतिल में 515 रुपये और तिल में 500 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गयी है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 2441 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। अरहर का समर्थन मूल्य 8450 रुपये, मूंग का 8780 रुपये और उड़द का 8200 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। सरकार ने कहा कि वर्ष 2018–19 के बजट में किये गये वादे के अनुरूप किसानों को उत्पादन लागत का कम से कम डेढ़ गुना मूल्य सुनिश्चित किया जा रहा है। मूंग पर किसानों को लागत से 61 प्रतिशत, बाजरा और मक्का पर 56 प्रतिशत तथा अरहर पर 54 प्रतिशत लाभ मिलने का अनुमान है। सरकार ने यह भी बताया कि वर्ष 2014–15 से 2025–26 के दौरान धान खरीद 8418 लाख टन रही, जबकि इससे पहले के दस वर्षों में यह 4590 लाख टन थी। इसी अवधि में खरीफ फसलों पर किसानों को लगभग 19 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने गुजरात में अहमदाबाद के सरखेज से धोलेरा तक सेमी हाई स्पीड डबल रेल लाइन परियोजना को भी मंजूरी दी। करीब 20 हजार 667 करोड़ रुपये लागत वाली यह परियोजना वर्ष 2030–31 तक पूरी की जायेगी। यह भारतीय रेल की पहली सेमी हाई स्पीड परियोजना होगी, जिसमें स्वदेशी तकनीक का उपयोग किया जायेगा। परियोजना के तहत अहमदाबाद, धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र, आगामी धोलेरा हवाई अड्डे और लोथल राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के बीच तेज संपर्क स्थापित होगा। इस नई रेल लाइन से यात्रा समय में कमी आयेगी और दैनिक आवागमन आसान होगा। 134 किलोमीटर लंबी इस परियोजना से गुजरात के लगभग 284 गांवों और करीब पांच लाख लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। सरकार के अनुसार रेलवे के पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन साधन होने से देश में तेल आयात में कमी आयेगी तथा कार्बन उत्सर्जन भी घटेगा। अनुमान है कि इससे दो करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी आयेगी, जो लगभग दस लाख पेड़ लगाने के बराबर है।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों पर आरबीआई का अलर्ट

आम आदमी की जेब पर पड़ेगा सीधा असर

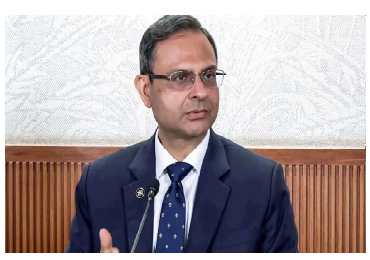

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा घ्घने संकेत दिया है कि अगर मध्य पूर्व में तनाव लंबे समय तक जारी रहता है तो भारत को अंततः पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं, क्योंकि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें

ऊर्जा लागत से अनिश्चित काल तक बचा नहीं पाएगी। मुद्रास्फीति, ईंधन आयात और समग्र अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रही हैं। स्विट्जरलैंड में स्विस नेशनल बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में बोलते हुए, मल्होत्रा घ्घने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं को बढ़ती वैश्विक तक बचा नहीं पाएगी। मल्होत्रा घ्घने कहा कि अगर यह सिलसिला लंबे समय तक जारी रहता है, तो सरकार द्वारा मूल्य वृद्धि का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने में बस कुछ ही समय लगेगा। भारत, जो विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है, होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव के कारण ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने और कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि होने के बाद से बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है। इस महत्वपूर्ण जल परिवहन मार्ग पर व्यवध् ाान ने आपूर्ति श्रृंखला जोखिमों, मुद्रास्फीति और भारत के बढ़ते ऊर्जा आयात बिल को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है। भारत अपनी अध् िाकांश कच्चे तेल की आवश्यकताओं का आयात करता है, जिससे अर्थव्यवस्था वैश्विक तेल कीमतों में निरंतर वृद्धि के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हो जाती है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें परिवहन और विनिर्माण लागत बढ़ाती हैं, रुपये पर दबाव डालती हैं और मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति में योगदान करती हैं। फिलहाल, केंद्र सरकार और सरकारी तेल विपणन कंपनियां कच्चे तेल की कीमतों में हुई वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा वहन कर रही हैं। ईंधन पर उत्पाद शुल्क पहले ही कम कर दिया गया है, जबकि तेल विपणन कंपनियां बढ़ते घाटे के बावजूद पेट्रोल और डीजल को बाजार दर से कम दामों पर बेच रही हैं। हालांकि, कई ईंधन उत्पादों की कीमतों में पहले ही वृद्धि की जा चुकी है।

नीट पेपर लीक पर दिल्ली में युवा कांग्रेस का हल्लाबोल

जेपीसी जांच और इस्तीफे की मांग तेज

भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने दिल्ली में विरोध् ा प्रदर्शन किया और कथित छम्म्ञ–न्ळ परीक्षा के पेपर लीक को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की। दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लकरा के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी रायसीना रोड की ओर बढ़े और मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा जांच की मांग की। आईवाईसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए आलोचना की। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट–यूजी को रद्द किए जाने का हवाला

देते हुए बुधवार को कहा कि इस मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ध् ार्मेंद्र प्रधान को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और पेपर लीक मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन होना चाहिए। कांग्रेस की युवा ईकाई भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब और छात्र इकाई एनएसयूआई के अध् यक्ष विनोद जाखड़ ने पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से यह भी कहा कि सरकार को परीक्षा रद्द होने से प्रभावित बच्चों को उचित मुआवजा प्रदान करना चाहिए। चिब ने कहा, नीट पेपर लीक एक बड़ा मुद्दा है। पिछले 10 साल में 89 पेपर लीक हुए हैं और 48 बार दोबारा परीक्षाएं हुई हैं। यानी सरकार ने बच्चों के प्रति अपनी जवाबदेही खघ्त्म कर दी है। उन्होंने कहा, हम उन बच्चों की जगह खुद को रखकर देखें तो शायद उनका दर्द महसूस कर पाएं। बच्चे मेहनत से परीक्षा देते हैं, लेकिन जब पेपर लीक होता है तो उनका सिस्टम से भरोसा उठ जाता है। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि इस नाकामी की जिम्मेदार भाजपा सरकार है। उनका कहना था, भाजपा दावा करती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो देशों के बीच का युद्ध रुकवा देते हैं, लेकिन सच यह है कि वह पेपर लीक नहीं रोक पा रहे हैं।

विदेश जाने का है प्लान? ईंधन संकट के बीच अब एअर इंडिया ने लिया बड़ा फैसला

ईंधन की बढ़ती कीमतों और प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र के कारण वैश्विक विमानन परिचालन पर लगातार पड़ रहे दबाव को देखते हुए एयर इंडिया ने जून से अगस्त 2026 के बीच कई अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर अपनी उड़ानें कम या निलंबित कर दी हैं। एयरलाइन ने पुष्टि की है कि ईंधन की रिकॉर्ड–उच्च लागत और कुछ क्षेत्रों में हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण उसे उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में अपनी सेवाएं कम करनी पड़ी हैं। विमानन विश्लेषण फर्म ओएजी के अनुसार, एयर इंडिया की अंतरराष्ट्रीय क्षमता पिछले वर्ष की तुलना में पहले ही

काफी कम हो गई है, जिससे गर्मियों के मौसम में विदेश यात्रा की योजना बना रहे यात्रियों के लिए चिंता बढ़ गई है। ओएजी के आंकड़ों के अनुसार, एयर इंडिया ने अप्रैल 2026 में केवल 1,987 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित कीं, जो पिछले वर्ष इसी महीने में संचालित 2,549 उड़ानों की तुलना में लगभग 22 प्रतिशत की गिरावट है। मई में भी यह गिरावट जारी रही, जहां एयरलाइन द्वारा पिछले वर्ष की 2,588 उड़ानों की तुलना में लगभग 2,072 उड़ानें संचालित करने का कार्यक्रम है। जून में लगभग 7 प्रतिशत की और कटौती की उम्मीद है। कई प्रमुख मार्गों पर असर पड़ा है। दिल्ली–शिकागो उड़ानें पूरी तरह से निलंबित कर दी गई हैं, जबकि दिल्ली–सैन फ्रांसिस्को उड़ानें साप्ताहिक 10 से घटाकर सात कर दी गई हैं।

सुवेंदु अधिकारी का मास्टरस्ट्रोक: ममता के गढ़ भाबनीपुर को चुना, नंदीग्राम सीट छोड़ी

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विध् ाानसभा चुनावों में दोनों सीटों पर जीत हासिल करने के बाद भाबनीपुर विधानसभा क्षेत्र को बरकरार रखने का फैसला किया है, जबकि नंदीग्राम सीट खाली

कर दी जाएगी। यह कदम भाबनीपुर में टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी पर उनकी हाई–प्रोफाइल जीत के बाद उठाया गया है, जो लंबे समय से टीएमसी के सबसे सुरक्षित गढ़ों में से एक माना जाता रहा है। भाबानीपुर में अधिकारी की जीत ने पश्चिम बंगाल भर में तीव्र राजनीतिक बहस छेड़ दी है। उन्होंने ममता बनर्जी को 15,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया, जिससे टीएमसी प्रमुख को उनके पारंपरिक गढ़ में एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। भाबानीपुर सीट वर्षों से बनर्जी से घनिष्ठ रूप से जुड़ी रही है और इसे कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस के प्रभुत्व के प्रतीक के रूप में देखा जाता रहा है। 2021 के विध् ाानसभा चुनावों में नंदीग्राम से अधिकारी से हारने के बाद, बनर्जी ने भाबानीपुर उपचुनाव में सफलतापूर्वक चुनाव लड़कर मुख्यमंत्री के रूप में वापसी की थी। 2026 के चुनावों में इस सीट पर भाजपा की सफलता को अब बंगाल की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है, और पार्टी नेता इसे मतदाताओं की भावनाओं में आए एक बड़े बदलाव के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

उत्तराखण्ड के बाद अब असम में भी यूसीसी की तैयारी

हिमंत विश्व शर्मा ने बिल को दी हरी झंडी

असम मंत्रिमंडल ने बुधवार को राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने को मंजूरी दे दी। हालांकि आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल की पहली मंत्रिमंडल बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यूसीसी विधेयक 26 मई को नयी विधानसभा में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''यह मंत्रिमंडल की पहली बैठक में लिया गया एक महत्वपूर्ण निर्णय है और यह चुनावों के दौरान किए गए हमारे वादे के अनुरूप है।'' शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड, गोवा और गुजरात पहले ही यूसीसी को लागू कर चुके हैं, लेकिन उनकी सरकार ने इसे असम की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया है।

पीएम मोदी की अपील का बड़ा असर, राजनाथ सिंह ने छोटा किया अपना काफिला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने काफिले का आकार लगभग आधा कर दिया है।वराजनाथ सिंह का यह कदम तब आया है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच नागरिकों से श्सात अपीलेंश की थीं। इन अपीलों का मकसद आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करके और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाकर देश की आर्थिक मजबूती में योगदान देना था। पीएम मोदी ने लोगों से आग्रह किया था कि वे सार्वजनिक परिवहन, कार–पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करके पेट्रोल और डीजल की खपत कम करें। उन्होंने इस दौरान वैश्विक उथल–पुथल और बढ़ती कीमतों के असर को भी रेखांकित किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने काफिले का आकार काफी कम कर दिया है, जबकि स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (च्ळ) प्रोटोकॉल के तहत जरूरी सभी सुरक्षा इंतजामों को बरकरार रखा है। प्रधानमंत्री की अपील के बाद, अमित शाह ने भी सुरक्षा प्रोटोकॉल से समझौता किए बिना अपने काफिले के साथ चलने वाली गाड़ियों की संख्या कम करने का फैसला किया। पर्यावरण को बचाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, पीएम मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जहाँ भी मुमकिन हो, उनके काफिले में इलेक्ट्रिक

गाड़ियाँ (म्टे) शामिल की जाएँ, बिना कोई नई गाड़ी खरीदे। इसी राह पर चलते हुए, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी मंत्रियों, विधायकों और दूसरे जन प्रतिनिध् ायों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सरकारी गाड़ियों पर रोक लगाने का आदेश दिया है। उन्होंने दिल्ली के लोगों से कारपूलिंग अपनाने की भी अपील की।

मंगलवार को एक एक्स पोस्ट में रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए देश के नागरिकों से पेट्रोल–डीजल बचाने और ऊर्जा संरक्षण को एक जन–आंदोलन बनाने की अपील की है। माननीय प्रधानमंत्री जी की इस जरूरी अपील को अपनाते हुए, विभागीय कामों के लिए गाड़ियों की संख्या सीमित करने का फैसला लिया गया है। मैं और मेरे सभी कैबिनेट सहयोगी, भारतीय जनता पार्टी के सभी विधायक, जन प्रतिनिधि, दिल्ली सरकार के अधिकारी और सभी विभाग भी जरूरत के हिसाब से कम से कम गाड़ियों का इस्तेमाल करेंगे और **dkjiooling** और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देंगे।

पुडुचेरी में एनडीए सरकार का गठन, एन रंगासामी ने ली सीएम पद की शपथ, बीजेपी को भी मिली सत्ता में हिस्सेदारी

ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) के नेता एन रंगासामी ने बुधवार को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कैलाशनाथन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की उपस्थिति में

उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समारोह के दौरान भाजपा नेता ए. नमस्सिवयम ने भी पुडुचेरी सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

निरंकारी मिशन ने किया 'समर्पण दिवस' का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मानवता, प्रेम और आध्यात्मिक जागृति के प्रतीक युग.ष्टा बाबा हरदेव सिंह की पावन स्मृति में बुधवार को समर्पण दिवस का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। जिसमें 26 महात्माओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। आयोजित सतसंग समारोह में महाराष्ट्र के महात्मा श्याम सिंह ने कहा कि बाबा हरदेव सिंह ने अपने जीवनकाल में प्रेम, सेवा, सहअस्तित्व और आत्मज्ञान का संदेश देकर लाखों लोगों को आध्यात्मिक मार्ग पर प्रेरित किया। उनके नेतृत्व में संत निरंकारी मिशन ने रक्तदान, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे अनेक सामाजिक कार्यो के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया। करीब 36 वर्षो तक मिशन का नेतृत्व करते हुए उन्होंने इसे वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई। आज मिशन 67 से अधिक देशों में मानव कल्याण और नैतिक मूल्यों का संदेश प्रसारित कर रहा है। समर्पण दिवस केवल श्रद्धांजलि का अवसर नहीं, बल्कि बाबा जी के आदर्शो को आत्मसात करने का प्रेरणादायक पर्व है। यह दिन मानवता को प्रेम, एकता और सेवा के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। बाबा हरदेव कहा करते थे कि खून नालियों में नही नाड़ियों में बहना चाहिए। जिसको पूर्ण करने के लिए प्रत्येक महात्मा रक्तदान करता हैं। कार्यक्रम में मुखी डा. राजाराम यादव ने कहा कि प्रत्येक वर्ष के तरह इस वर्ष भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन्होंने किया रक्तदान–निरंकारी मिशन से आयोजित समर्पण दिवस कार्यक्रम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने 26 यूनिट रक्त संग्रह किया। जिसमें प्रमुख रूप से पूर्व विधायक विजय पासवान, राम प्यारे, राम सुमेर अंबेडकर, अनूप कुमार, मनीष कुमार, राजेश, राम उग्रह, दयानन्द, नीलकमल, बुधिराम, सुधीराम, सोमनाथ, रीता, अर्जुन, राम चरन, दीपक, राजेश गुप्ता, सुबाष, मोनू, कैलाश, चंदू, साधना, ओमकार, सुबाष चौरसिया, अनिल पासवान प्रमुख रहे।

दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का जलवा कायम, बोर्ड परीक्षा में लहराया सफलता का परचम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। एक बार फिर दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस ने

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले में अपनी सफलता का परचम लहराया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत. ष्ट अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय बल्कि अपने अभिभावकों एवं जनपद का भी गौरव बढ़ाया है। विद्यालय की छात्रा श्रेयसी सिंह एवं अनिका शुक्ला ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं सात्विक नायक ने 94 प्रतिशत, कशिश पटवा ने 93 प्रतिशत, जागृति पांडेय ने 92. 2 प्रतिशत तथा हमना जमशेद ने 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता अर्जित की। इसके अतिरिक्त अरीशा ने 89 प्रतिशत, माही ने 88 प्रतिशत, शशि एवं संजना ने 87 प्रतिशत, आदित्य पांडेय एवं हीबा खान ने 86 प्रतिशत तथा इल्मा, आलोक, काव्या, विमल पांडेय एवं निवेदिता ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विद्यार्थियों की इस अभूतपूर्व सफलता पर विद्यालय के प्रबंधक जेपी सिंह एवं प्रधानाचार्य गोपाल त्रिपाठी ने सभी छात्र–छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग से ही यह शानदार सफलता संभव हो सकी है। इस अवसर पर इंचार्ज भूपेंद्र त्रिपाठी, वेद प्रकाश सिंह, वंदना पांडेय, अमर वधवानी, पंकज गुप्ता, अनूप पांडेय, लवकुश, प्रशांत त्रिपाठी, प्रमोद गुप्ता, आशुतोष पाल, त्रिपुंजय पांडेय, दिनेश यादव, प्रभात त्रिपाठी एवं लकी शुक्ला सहित समस्त शिक्षकगणों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बरम बाबा मंदिर का निर्माण हुआ शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। कस्बे के मथुरा नगर वार्ड तेतरी

बुजुर्ग में स्थित बरम बाबा का मंदिर का निर्माण शुरू कर दिया गया है। मथुरा नगर वार्ड के सभासद मयंक पाण्डेय ने बताया कि बरम बाबा कई वर्षों से है मंदिर का निर्माण नहीं किया गया था खुले आसमान के नीचे रहते थे लेकिन अब बरम बाबा का मंदिर का निर्माण शुरू करा दिया गया है बहुत ही जल्द बाबा का मंदिर का निर्माण पूर्ण हो जाएगा इस मंदिर में फूल के पौधे लगाए जाएंगे और लाइटिंग का भी व्यवस्था किया जाएगा जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा हो सके यह मथुरा नगर वासियों के एवं नगर वासियों की इच्छा भी थी कि बरम बाबा एक मंदिर बने आज वह पूरा भी हो गया । इस अवसर में गिरीश पांडेय , संदीप पांडेय,राहुल पांडेय,श्रीधर पांडेय,संतोष पांडेय,जितेंद्र पांडेय ,सौरभ पांडेय भी मौजूद रहे।

धोखे से एग्रीमेंट कर जमीन हड़पने, धमकी देने का आरोप, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के जिगिना निवासी संतराम पुत्र

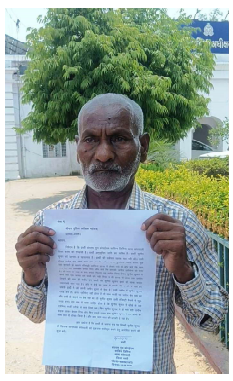

कोदईराम ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर पकरी नासिर निवासी एक व्यक्ति पर धोखे से जमीन का एग्रीमेंट कराने, रुपये मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। संतराम ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि वर्ष 2018 में उनकी तबीयत खराब चल रही थी, इसी दौरान पकरी नासिर थाना मुण्डेरवा निवासी सुनीत कुमार पुत्र रमेश चन्द्र उन्हें दवा कराने के बहाने रजिस्ट्री कार्यालय ले गये। आरोप है कि वहां किसी काम का बहाना बनाकर उनसे हस्ताक्षर करा लिया गया और बाद में बताया गया कि जमीन का एग्रीमेंट हो गया है। पीड़ित का कहना है कि उनसे कहा गया था कि दो वर्ष छह माह बाद रुपये दिए जाएंगे, तब जमीन लिखी जाएगी, लेकिन आज तक उन्हें कोई धनराशि नहीं दी गई और न ही जमीन लिखाने की कोई बात हुई। आरोप है कि अब विपक्षी जबरन दो लाख रुपये की मांग कर रहा है तथा रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। संतराम ने यह भी आरोप लगाया कि जिस जमीन को उन्होंने बाद में किसी अन्य व्यक्ति को बेचा, उसी बैनामे में सुनीत कुमार गवाह बना था। पीड़ित का कहना है कि यदि जमीन का वास्तविक एग्रीमेंट होता तो विपक्षी उसी जमीन की बिक्री में गवाह नहीं बनता। इससे स्पष्ट होता है कि उनके साथ छल और धोखाधड़ी कर फर्जी तरीके से एग्रीमेंट कराया गया। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कराते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने और अपने और परिवार के जान–माल की सुरक्षा कराने की मांग किया है।

मदरसे में 12 वर्षीय छात्र की संदिग्ध मौत मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के तुलसियापुर गांव निवासी 12 वर्षीय छात्र अनीसुर रहमान की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। तुलसियापुर गांव निवासी अनीसुर रहमान पुत्र स्वर्गीय गुलाम मुर्तजा बढ़नी नगर पंचायत के पश्चिम पोखरा मोहल्ले स्थित जामिया अहले सुन्नत इसातुल इस्लाम मदरसा में अपने बड़े भाई महमूद के साथ रहकर हाफिज की पढ़ाई कर रहा था। परिजनों के अनुसार सोमवार शाम करीब सात बजे अनीसुर के बाबा कासिम के पास फोन आया कि बच्चे की तबीयत खराब है और उसे अस्पताल ले जाया जा रहा है। परिजन बढ़नी जाने की तैयारी कर ही रहे थे कि कुछ देर बाद मदरसे के कुछ शिक्षक अनीसुर का शव लेकर घर पहुंच गए। शिक्षकों ने बताया कि छात्र के गले पर मेज गिरने से उसकी मौत हुई है। हालांकि जब परिजनों ने शव देखा तो उसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान दिखाई दिए। इसके बाद परिवार वालों ने मौत को संदिग्ध बताते हुए ढेबरुआ थाने में तहरीर देकर पोस्टमार्टम कराने की मांग की। मामले में दुर्गा प्रसाद ने बताया था कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।वहीं, मामले को लेकर मयंक द्विवेदी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आई चोटों तथा परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना ढेबरुआ पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना जारी है। सीओ ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। घटना के खुलासे के लिए टीम गठित कर दी गई है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

97 प्रतिशत अंकों के साथ प्रिंस राव बने जिला टॉपर, विद्या मंदिर रामबाग का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग,

बस्ती ने एक बार फिर सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया है। कक्षा 12वीं के घोषित परीक्षा परिणाम में विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा, जिससे विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य गोविन्द सिंह ने बताया कि विद्यालय के छात्र प्रिंस राव ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जनपद में प्रथम स्थान हासिल किया। अथर्व शुक्ला ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा आराध्या ने 93.80 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा दुर्गेश कुमार, अंजनी पांडेय, प्रांजल पटेल, अंशिका वर्मा, शशांक मिश्रा एवं विशेष पटेल सहित कई विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में उत्साह और हर्ष का वातावरण देखने को मिला। विद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष गोपाल गाडिया, प्रबंधक प्रो. सुरेन्द्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष श्री प्रहलाद मोदी, प्रधानाचार्य गोविन्द सिंह एवं समस्त आचार्यों ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की सफलता का श्रेय उनके कठिन परिश्रम, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन को दिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि यह उत.ष्ट परिणाम विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अनुशासित शैक्षिक वातावरण का प्रमाण है।

सपा नेताओं के बयानों पर भड़के राघवेन्द्र प्रताप सिंह, अखिलेश यादव पर साधा निशाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के विवादित बयान को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। गाजियाबाद के कविनगर थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद बुधवार को हिन्दू युवा वाहिनी उत्तर प्रदेश के प्रभारी एवं पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के संरक्षण में लगातार हिन्दू समाज और महापुरुषों का अपमान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण

समाज के खिलाफ की गई टिप्पणी निंदनीय है। उन्होंने कहा कि बाद में माफी मांगने के बावजूद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी सपा नेता रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा पर की गई टिप्पणी पर पार्टी नेतृत्व ने कोई आपत्ति नहीं जताई। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने पर भी समाजवादी पार्टी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के खिलाफ भी सपा के मीडिया अकाउंट से आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी अब संस्कार विहीन पार्टी बन चुकी है और इसी कारण उसका जनाधार लगातार कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि समाजवादी पार्टी के नेताओं की यही कार्यशैली रही तो वर्ष 2027 के चुनाव में जनता उन्हें जवाब देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर लगातार व्यक्तिगत टिप्पणियां करते रहते हैं, जिसे अब जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। पूर्व विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई गईं तो हिन्दू युवा वाहिनी और भाजपा कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी के खिलाफ बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

परीक्षाफल एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार

सिद्धार्थनगर।क्षेत्र के उसका नौगढ़ मार्ग पर स्थित विद्यालय उदयराज पब्लिक स्कूल,मधवापुर में शैक्षिक सत्र 2025–26 में अपनी अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र छात्राओं को मेडल–प्रशस्ति पत्र एवं विद्यालय में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्रा को विशेष पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे परियोजना निदेशक, सिद्धार्थनगर नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी ने मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मान प्रदान करते हुए छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस कड़ी में उन्होंने विद्यालय में सर्वोच्च अंक और स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा अन्वी सिंह को मेडल प्रदान करते हुए अन्य कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राएं–मानवी यादव,अंश राय, कोमल सिंह,हिमांशु,श्रेया, प्रतीक्षा,अदिति, शिफा,चांदनी एवं अविनाश। कक्षाओं में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राएं– नित्या,सिया ,तृष्का, आदित्य, सोमनाथ, खुशबू, हिमांशु, सरिता, तस्मिया, विंध्यवासिनी,अंजनी तथा कक्षाओं में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राएं– एकता तिवारी, शिवांश, अनीश, व्यांश, आराध्या, हस्सान,विशेष,सरिता, मार्कण्डेय, आराध्या,वैष्णवी चतुर्वेदी को सम्मान और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम का सफल संचालन लवकुश चंद्र पांडेय ने किया तथा समापन सत्र में आगंतुकों के प्रति आभार ज्ञापन विद्यालय के निदेशक अनिल कुमार उपाध्याय ने करते हुए सभी छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर शिक्षक पुष्कर प्रसाद त्रिपाठी,लवकुश चंद्र पाण्डेय, अमृतांश उपाध्याय,महेश शुक्ल,विवेक,फरहत जमीं,पूजा त्रिपाठी,रीना मिश्रा,वंदना गुप्ता और प्रिया पाण्डेय आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के विद्यार्थियों ने लहराया सफलता का परचम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा बुधवार को घोषित इंटरमीडिएट परीक्षा–2026 के परिणाम में उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के छात्र–छात्राओं ने उत.ष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल छा गया और मिठाई बांटकर सफल विद्यार्थियों को बधाई दी गई। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा, जिसमें अधिकांश विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की। मेधावी छात्र–छात्राओं ने कड़ी मेहनत और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन से विभिन्न विषयों में उत.ष्ट अंक हासिल किए। आयुषी मिश्रा ने 95 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्कर्ष सिंह एवं वैष्णवी पाण्डेय ने 94 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि श्रुति उपाध्याय ने 93 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान हासिल किया।

इंटरमीडिएट परीक्षाफल में आयुषी मिश्रा (95 प्रतिशत), उत्कर्ष सिंह (94 प्रतिशत), वैष्णवी पाण्डेय (94 प्रतिशत), श्रुति उपाध्याय (93 प्रतिशत), आदित्य पाठक (92 प्रतिशत), आर्यन गुप्ता (91 प्रतिशत), हेमंत कुमार पाण्डेय (91 प्रतिशत), .ष्टि चौधरी (91 प्रतिशत), दिव्यांश कसौधन (91 प्रतिशत), गरिमा (91 प्रतिशत), शुभम गुप्ता (90 प्रतिशत), अंकिता सिंह राठौर (90 प्रतिशत), कार्तिक शुक्ला (87 प्रतिशत), प्रतिभा चौधरी (86 प्रतिशत), रति सोनी (85 प्रतिशत), अंशिका चौधरी (85 प्रतिशत), अभ्युदय अनुज सिंह (84 प्रतिशत), साहनी हुसैन (84 प्रतिशत), अभि जायसवाल (84 प्रतिशत), सिद्धार्थ मौर्या (84 प्रतिशत), आशुतोष कसौधन (84 प्रतिशत), शिखा शर्मा (84 प्रतिशत), शिवांश मिश्रा (84 प्रतिशत), शगुन सोनी (83 प्रतिशत), पलक सोनी (83 प्रतिशत) एवं आतिया खातून (83 प्रतिशत) ने उल्लेखनीय अंक प्राप्त किए। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंधक धीरेंद्र शुक्ल एवं प्रबंध निदेशक विनय शुक्ल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के निरंतर परिश्रम, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती शशिप्रभा त्रिपाठी ने मेधावियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति सदैव संकल्पित रहा है और आज के परिणाम ने इसे पुनः सिद्ध किया है। इस अवसर पर संजय प्रजापति, अभिनय प्रकाश पाण्डेय, अमन मिश्रा, वकील चौधरी, दीपक पाण्डेय, डॉ. संजय कुमार, एल.पी. चौधरी, अजय मिश्रा, कमलोज मिश्रा, नम्रता पाण्डेय, पूजा उपाध्याय, अंजू तिवारी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक–शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मदरसे में छात्र की मौत से उठे गंभीर सवाल, परिजनों ने लगाया सच छिपाने का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बढ़नी स्थित एक मदरसे में 12 वर्षीय छात्र की संदिग्ध मौत ने मदरसा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में छात्र के शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद परिजनों ने आरोप लगाया है कि मौत की असली वजह छिपाने की कोशिश की गई।तुलसियापुर गांव निवासी अनीसुर रहमान अपने जुड़वां भाई के साथ बढ़नी के पश्चिम पोखरा मोहल्ले स्थित जामिया अहले सुन्नत इसातुल इस्लाम मदरसे में पढ़ाई कर रहा था। सोमवार को मदरसे के शिक्षक छात्र का शव घर लेकर पहुंचे और परिवार को बताया कि उसकी तबीयत अचानक खराब होने से मौत हो गई।परिजनों का आरोप है कि यदि छात्र की तबीयत खराब थी तो उसे अस्पताल क्यों नहीं ले जाया गया। परिवार का कहना है कि मदरसा प्रशासन ने घटना की सूचना समय पर नहीं दी और सीधे शव घर पहुंचा दिया, जिससे पूरे मामले पर संदेह गहरा गया।पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर चोट की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने एक नाबालिग छात्र को हिरासत में लिया है। वहीं, मदरसे के शिक्षकों और कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।ग्रामीणों और परिजनों का कहना है कि मदरसे में बच्चों की सुरक्षा को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार लोग ध्यान नहीं दे रहे थे। अब छात्र की मौत के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है।क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी और ढेबरुआ थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद ने मदरसे पहुंचकर जांच की। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धार्थनगर में मासूम की मौत पर फूटा गुस्सा, शव रखकर सड़क जाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के इटवा तहसील क्षेत्र में करंट लगने से छह वर्षीय मासूम की मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ केवल धारा 106 के तहत मुकदमा दर्ज किए जाने से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने बुधवार को शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी पर हत्या की धारा 302 लगाने और तत्काल गिरतारी की मांग की।मामला रामनगर गांव का है। मंगलवार शाम करीब चार बजे गांव निवासी नफीस (6) पुत्र अमीरूल्लाह गांव के पश्चिम स्थित एक बगीचे की ओर गया था। आरोप है कि गांव निवासी सलाउद्दीन पुत्र मुस्लिम ने अपने बगीचे की घेराबंदी लोहे के तार से कर रखी थी और उसमें बिजली का करंट दौड़ा रखा था, ताकि कोई व्यक्ति या जानवर अंदर न जा सके।परिजनों के अनुसार खेलते समय मासूम का पैर अचानक तार से छू गया। तेज करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में अफरा–तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लेकिन जब लोगों को पता चला कि आरोपी के खिलाफ केवल धारा 106 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, तो ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब एक घंटे तक चले जाम के दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।ग्रामीणों का कहना था कि खेतों और बगीचों में चोरी रोकने के नाम पर खुलेआम बिजली का करंट दौड़ाया जा रहा है, लेकिन प्रशासन इस पर सख्ती नहीं करता। लोगों ने आरोप लगाया कि लापरवाही और ढिलाई के कारण एक मासूम की जान चली गई।प्रदर्शन के दौरान मृतक की मां का रो–रोकर बुरा हाल रहा। कई बार वह बेहोश हो गईं। पूरे गांव में मातम का माहौल बना रहा। परिजन लगातार आरोपी की गिरतारी और हत्या की धारा बढ़ाने की मांग करते रहे।मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने परिजनों को निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। काफी समझाने–बुझाने के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए, जिसके बाद सड़क जाम समाप्त कराया गया।

सिसवा उर्फ शिवभारी में हो रहा था अवैध खनन, तहसीलदार ने किया सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र ढेबरूआ के सिसवा उर्फ शिवभारी गांव में बुधवार को राजस्व टीम के पहुंचने पर जेसीबी

व डम्पर को मौके से पकड़कर सीज कर दिया। बुधवार की सांय लगभग 05 बजे उप जिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्रा को सूचना मिली कि ढेबरूआ थाना क्षेत्र के सिसवा उर्फ शिवभारी में अवैध खनन कर रहा है। एसडीएम ने तहसीलदार शोहरतगढ़ प्रकाश सिंह यादव को मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव ने अपने टीम के साथ ढेबरुआ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर अवैध खनन की सूचना पर जेसीबी व डम्फर चालक मौके से भाग खड़े हुए, तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव ने दोनों वाहन को सीज कर थाना ढेबरुआ को सौंपा दिया और दोनों वाहनों को तहसीलदार ने सीज कर दिया। वहीं सीज करने वाले जेसीबी और डम्फर है। एसडीएम व तहसीलदार ने कहा है कि अवैध खनन करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा।

अमथरी मोड़ पर दर्दनाक सड़क हादसा, खेसरहा के दो युवकों की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। संतकबीरनगर जनपद के बखिरा थाना क्षेत्र में मंगलवार रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में खेसरहा थाना क्षेत्र के दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक बाइक से नंदौर बाजार अपनी दुकान का सामान लेने जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, जैसे ही उनकी बाइक अमथरी मोड़ के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही रोडवेज बस से जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बखिरा थाना प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि मृतकों की पहचान थाना खेसरहा क्षेत्र के ग्राम बनकटा निवासी राजकुमार पुत्र राजेंद्र (25 वर्ष) तथा प्रवीण विश्वकर्मा पुत्र रामदीन विश्वकर्मा (21 वर्ष) के रूप में हुई है। राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल प्रवीण को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहदावल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार रात करीब 8 बजे हुआ। घटना की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

डीएम ने किया टीबी अभियान शिविर का औचक निरीक्षण, अधिक से अधिक स्क्रीनिंग के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में 24 मार्च 2026 से संचालित 100 दिवसीय सघन टीबी भारत अभियान–2.0 के तहत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन ने बुधवार को औचक निरीक्षण कर अभियान की प्रगति और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। राज्य स्तर से जनपद की 612 ग्राम पंचायतों को हाई रिस्क श्रेणी में चिन्हित किया गया है, जहां संभावित टीबी मरीजों की पहचान और जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत हैंड हेल्ड एक्स–रे मशीन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की जांच की जा रही है, ताकि समय रहते मरीजों की पहचान कर उपचार सुनिश्चित किया जा सके। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने सिसवा ग्रांट में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में पहुंचे लोगों से बातचीत कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली तथा जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया। डीएम ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान को पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ संचालित किया जाए तथा अधिक से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूर्ण रूप से उपचार योग्य बीमारी है। समय पर जांच और नियमित उपचार से इस बीमारी को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना या कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं और शासन की निःशुल्क उपचार सुविधा का लाभ लें। उन्होंने ग्राम पंचायतों में लगाए जा रहे शिविरों में पहुंचकर एक्स–रे, बीपी और शुगर की जांच कराने की भी अपील की। यह अभियान 4 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान से संबंधित जानकारी टोल फ्री नंबर 1800–11–6666 पर प्राप्त की जा सकती है। वहीं शिविर अथवा टीबी रोग से जुड़ी जानकारी के लिए जिला कार्यक्रम समन्वयक पंकज त्रिपाठी के मोबाइल नंबर 9650890892 पर संपर्क किया जा सकता है।

मासूम से दुष्कर्म का मामला, आरोपी गिरतार: चॉकलेट का लालच देकर झोपड़ी में ले गया था किशोर

दैनिक बुद्ध का संदेश/शशांक मिश्रा

खेसरहा/सिद्धार्थनगर।खेसरहा थाना क्षेत्र के एक गांव में पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 14 वर्षीय आरोपी किशोर को गिरतार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।घटना बुधवार सुबह करीब 10.30 बजे की है। बच्ची अपने घर के बाहर बैठी थी, तभी गांव का ही एक किशोर उसे 10 रुपये और चॉकलेट का लालच देकर बहला–फुसलाकर गांव के बाहर एक झोपड़ी में ले गया।आरोप है कि किशोर ने वहां बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के दौरान बच्ची घायल हो गई। उसके रोने–चीखने की आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।ग्रामीणों ने घायल बच्ची को देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीओ बांसी, थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा और चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार सिंह यादव पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की।घायल बच्ची को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेसरहा ले जाया गया।खेसरहा थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी किशोर को न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

खेसरहा क्षेत्र के बेलवालगुनही गांव में लगाए गए बिजली के खंभे, ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर सुविधा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायत बेलवालगुनही में ग्रामीणों की

सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न मोहल्लों एवं ग्राम पंचायत के कब्रिस्तान परिसर में नए बिजली के खंभे लगवाए गए। इससे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और लोगों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी।ग्राम प्रधान तुफैल अहमद ने बताया कि लंबे समय से ग्रामीणों द्वारा बिजली व्यवस्था को लेकर मांग की जा रही थी। समस्या को देखते हुए गांव के कई मोहल्लों और कब्रिस्तान क्षेत्र में बिजली के खंभे लगवाने का कार्य कराया गया है। इससे अब बिजली कनेक्शन लेने और सुचारु रूप से बिजली पहुंचाने में आसानी होगी।ग्रामीणों ने इस कार्य के लिए ग्राम प्रधान का आभार जताते हुए कहा कि इससे गांव में अंधेरे की समस्या काफी हद तक दूर होगी और लोगों को राहत मिलेगी। वहीं ग्राम प्रधान ने कहा कि गांव के विकास और मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए आगे भी लगातार कार्य किए जाते रहेंगे।

सिद्धार्थनगर के खेसरहा में निरीक्षण के दौरान गैरहाजिर मिले प्रधानाध्यापक व सहायक शिक्षक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। खेसरहा ब्लॉक क्षेत्र में एक भी छात्र मौजूद नहीं था। साथ ही मध्याह्न भोजन व्यवस्था भी बंद मिली। निरीक्षण टीम में मुख्यमंत्री शोधार्थी दुर्गेश कुमार गुप्ता, पिरामल फाउंडेशन से योगेंद्र मोहन तथा एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन से अभिनव द्विवेदी शामिल रहे। टीम सुबह करीब 11रू20 बजे विद्यालय पहुंची, जहां तैनात प्रधानाध्यापक विनोद कुमार पांडेय और सहायक अध्यापक शिवेंद्र सिंह अनुपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कई दिनों से मध्याह्न भोजन न बनने की भी जानकारी मिली। विद्यालय की बाउंड्रीवाल टूटी हुई मिली और मुख्य गेट भी नहीं लगा था, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। इसके बाद टीम प्राथमिक विद्यालय मरवटिया द्वितीय पहुंची, जहां 140 पंजी.त छात्रों में से 112 छात्र उपस्थित मिले। विद्यालय में हैंडपंप, शौचालय और यूरिनल की स्थिति संतोषजनक पाई गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा विभाग ने अनुपस्थित शिक्षकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

बकाया मानदेय भुगतान की मांग को लेकर शिक्षा प्रेरकों ने बीएसए को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। साक्षर भारत मिशन योजना के अंतर्गत कार्यरत रहे शिक्षा प्रेरकों ने मंगलवार को बेसिक शिक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर को ज्ञापन सौंपकर बकाया मानदेय के भुगतान की मांग की। शिक्षा

प्रेरकों ने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2011 में 14 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के निरक्षर नागरिकों को साक्षर बनाने के उद्देश्य से साक्षर भारत मिशन योजना संचालित की गई थी। योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक महिला एवं एक पुरुष शिक्षा प्रेरक की नियुक्ति 2000 रुपये प्रतिमाह मानदेय पर की गई थी। प्रेरकों का कहना है कि उन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योजना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2018 को योजना को अचानक बंद कर दिया गया। इसके बाद सभी कार्यरत शिक्षा प्रेरकों का 20 माह से लेकर लगभग 40 माह तक का मानदेय बकाया रह गया, जिसका भुगतान आज तक नहीं हो सका है। शिक्षा प्रेरकों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से मानदेय न मिलने के कारण वे आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बीएसए से बकाया मानदेय का अविलंब भुगतान कराए जाने की मांग की है। इस दौरान श्रीराम चौहान, रामकेवल मौर्या, सिद्धार्थ गौतम, प्रिंस मिश्रा, विपिन त्रिपाठी, रमेश यादव, विमलेश कुमार उपाध्याय, दिलीप कुमार, विनोद कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

वाइब्रेंट विलेज बघेला में लगा निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर, पशुपालकों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। विकास खंड लोटन के भारत–नेपाल सीमा स्थित वाइब्रेंट विलेज बघेला में बुधवार को सशस्त्र सीमा बल की 66वीं वाहिनी द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले किसानों के पशुधन की सुरक्षा करना तथा उन्हें पशुओं में होने वाली गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. ललित देवरी, कमांडेंट पशु चिकित्सा सीमांत मुख्यालय लखनऊ के नेतृत्व में पशुओं के स्वास्थ्य की गहन जांच की गई। इस दौरान ग्रामीणों के पशुओं में गलघोंटू, खुरपका और थनैला जैसी घातक बीमारियों की विशेष जांच की गई। साथ ही रोगों से बचाव के लिए पशुपालकों को आवश्यक जानकारी दी गई और निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। शिविर में सहायक कमांडेंट समरजीत सिंह, आरक्षी धर्मेंद्र कुमार, आरक्षी अंकित कुमार सहित अन्य जवान मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के डुमरियागंज थाना क्षेत्र के पचउथ गांव में बुधवार दोपहर एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष में कोहराम मच गया। मृतका की पहचान मनीषा के रूप में हुई है, जिसकी शादी करीब दो महीने पहले देवदत्त मौर्य से हुई थी।मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। मनीषा की मां का कहना है कि शादी के बाद से ही उनकी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि मांग पूरी न होने पर उसे मौत के घाट उतार दिया गया।मां ने रोते हुए कहा, "हमारी बेटी को दहेज के लिए मार दिया गया है। हमें इंसाफ चाहिए।" घटना की सूचना मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई और माहौल गमगीन हो गया।सूचना पर पहुंची डुमरियागंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और ससुराल पक्ष से पूछताछ की जा रही है।डुमरियागंज थाना प्रभारी श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

यह विडंबना ही है कि भ्रष्टाचार के बाजार में लाखों छात्रों की मेहनत और सपने नीलाम हो रहे हैं। कुछ लोग लीक मामलों में राजनीतिक संरक्षण के भी आरोप लगा रहे हैं। तभी कई बार नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के बावजूद किसी को बड़ी सजा अब तक नहीं मिली है। यही वजह कि नीट परीक्षा को कंप्यूटर आधारित टेस्ट में बदलने की मांग की जा रही है क्योकि पेन–पेपर मोड में ...

नीट परीक्षा रद्द होने से प्रतिभाएं हताश

हमारे तंत्र की नाकामी और परीक्षा तंत्र में भ्रष्टाचारियों की बढ़ती सेंध का ही नतीजा है कि पेपर लीक के बाद नेशनल एलिजिबिलिटी–कम–एंट्रेंस टेस्ट यानी नीट परीक्षा 2026 रद्द कर दी गई। भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में दाखिले के लिए तीन मई को परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें करीब पौने तेईस लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। ये परीक्षाएं देश के 551 शहरों और विदेशों के 14 शहरों में 5400 केंद्रों पर आयोजित की गई थीं। दरअसल, पेपर लीक होने के आरोपों के बाद जांच एजेंसियों की सिफारिश पर परीक्षा रद्द की गई है। केंद्र सरकार ने कथित रूप से डेटा लीक और धांधली की व्यापक जांच के लिए सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने कहा है कि व्यवस्था में विश्वास बहाली के लिए फिर से परीक्षा करने का निर्णय लिया गया है। कहा जा रहा है कि एनटीए ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा निष्कर्षों की प्रारंभिक जांच के आधार पर परीक्षा स्थगन का फैसला लिया। निस्संदेह, इस फैसले ने उन लाखों छात्रों को निराश ही किया है जो महीनों से परीक्षा की तैयारी में लगे थे। अब उन्हें नये सिरे से परीक्षा की तैयारी करनी होगी। नीट प्रवेश परीक्षा स्थगित किए जाने के बाद तमाम विपक्षी दलों ने एनटीए व केंद्र सरकार पर तीखे हमले बोले हैं। कहा जा रहा है कि एनटीए में सुधार नहीं, अब पूरी संरचना बदलने की जरूरत है। एक संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा जा रहा है कि एनटीए के बुनियादी पुनर्गठन की जरूरत है। राजनेता पीपर लीक व प्रश्नपत्रों में गलती सामने आने को छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बता रहे हैं। साथ ही पूरी परीक्षा प्रणाली को बदलने की मांग की जा रही है। साथ ही एनटीए के उद्देश्य और कार्यक्षमता को लेकर शंका जतायी जा रही है। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि एनटीए द्वारा आयोजित 14 राष्ट्रीय परीक्षाओं में से पांच में पेपर लीक और अनियमितताओं के मामले उजागर हुए हैं। इनमें जेईई मेन्स 2025 उत्तर कुंजी के दोषपूर्ण होने पर प्रश्नपत्र में 12 प्रश्न वापस लेने पड़े थे। मांग है कि एनटीए को केंद्रीयकृत करने के बजाय संसद के प्रति जवाबदेह बनाया जाए। वहीं एनटीए कह रहा है कि छात्रों को नया आवेदन नहीं करना होगा, न ही कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क लगेगा। यह भी कि एनटीए अपने संसाधनों का प्रयोग करके दोबारा परीक्षा आयोजित करेगी। साथ ही एनटीए ने परीक्षा में गड़बड़ी की जवाबदेही स्वीकारी है। दरअसल, आरोप है कि नीट का पेपर 'क्वेश्चन बैंक' के जरिये लीक किया गया, जिसमें फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी के तीन से ज्यादा सवाल थे। जिसमें आधे हूबहू परीक्षा में आए। आशंका है कि सोशल मीडिया के जरिये ये प्रश्नपत्र लाखों तक पहुंचे। हालांकि, इस मामले का खुलासा सीकर से हुआ, लेकिन कहते हैं कि पेपर पहले केरल से एक मई को आया और उसके तार नासिक से लेकर उत्तराखंड तक जुड़े थे। एनटीए ने कहा है कि सात मई की रात एक व्हिसलब्लोअर से उन्हें पेपर लीक की सूचना मिली। बताते हैं कि सीकर के एक पीजी संचालक ने पेपर लीक की सूचना पुलिस को दी। कालांतर में पेपर से जुड़ी ऑनलाइन चौट वायरल हो गई। एनटीए द्वारा जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने के बाद एक दर्जन से अधिक लोग गिरफ्तार किए गए। यह विडंबना ही है कि भ्रष्टाचार के बाजार में लाखों छात्रों की मेहनत और सपने नीलाम हो रहे हैं। कुछ लोग लीक मामलों में राजनीतिक संरक्षण के भी आरोप लगा रहे हैं। तभी कई बार नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के बावजूद किसी को बड़ी सजा अब तक नहीं मिली है। यही वजह कि नीट परीक्षा को कंप्यूटर आधारित टेस्ट में बदलने की मांग की जा रही है क्योकि पेन–पेपर मोड में पेपर लीक होने की ज्यादा आशंका रहती है। कंप्यूटर आधारित परीक्षा को सुरक्षित व पारदर्शी बताया जा रहा है। साथ ही पारदर्शी जांच व जवाबदेही तय करने की बात कही गई है। सवाल स्टाफ की आउटसोर्सिंग को लेकर भी उठे हैं। परीक्षाएं हाइब्रिड परीक्षा मॉडल के साथ ऑनलाइन कराने की भी मांग है।

दद्दा की अदम्य इच्छाशक्ति और देशभक्ति

स्नातक बेरोजगार दद्दा बचपन से ही वर्क फ्रॉम होम का पालन करते रहे। उन्हें कभी किसी ऑफिस में जाकर किसी बॉस के अधीन काम करने का दुर्भाग्य नहीं झेलना पड़ा। दद्दा सवा सौ प्रतिशत खांटी देशभक्त हैं। यह और बात है कि सवा चार फीट की लंबाई और पैंतीस किलो की पार्थिव काया के कारण उन्हें सेना में भर्ती होकर सीमा पर देशभक्ति दिखाने का अवसर नहीं मिल पाया। देश के लिए रक्त बहाने का सपना अधूरा रह गया, तो उन्होंने देशहित में रक्तदान करने का निश्चय किया। लेकिन अंडरवेट शरीर और हीमोग्लोबिन की कमी के कारण रक्तदान शिविर में दान देने पहुंचे दद्दा को ही डॉक्टरों ने दो यूनिट रक्त चढ़ा दिया। फिर भी दद्दा ने हार नहीं मानी है। देशभक्ति के क्षेत्र में वे निरंतर सक्रिय रहे। राष्ट्रहित में राष्ट्रप्रधान द्वारा दिए गए हर निर्देश का वे अक्षरशः पालन करते हैं। सोने के संदर्भ में स्पष्ट कर दूं कि दद्दा ने आजीवन एक ग्राम सोना नहीं खरीदा है और अब मृत्यु तक खरीदने का इरादा भी नहीं रखते। हालांकि इसका कारण त्याग नहीं, बल्कि 'सोना खरीदने की औकात' का अभाव है। वैसे दद्दा को सोने से अधिक 'सोने' यानी नींद और सपनों में विश्वास है। डीजल–पेट्रोल के उपयोग के वे शुरू से विरोधी रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के नाम पर वे वर्षों से पैदल चल रहे हैं। यहां भी इच्छाशक्ति पर औकात हावी है क्योंकि उनके पास साइकिल तक नहीं है। तले–भुने भोजन के प्रति भी उनका दृष्टिकोण अत्यंत सात्विक है। मंदिरों और लंगरों में जो मिल जाए, उसे बिना किसी मीन–मेख के राष्ट्रप्रसाद समझकर ग्रहण कर लेते हैं। वर्क फ्रॉम होम का प्रचलन भले ही कोरोना काल में बढ़ा हो, लेकिन राजनीति शास्त्र से स्नातक बेरोजगार दद्दा बचपन से ही इसका पालन करते आ रहे हैं। उन्हें कभी किसी ऑफिस में जाकर किसी बॉस के अधीन काम करने का दुर्भाग्य नहीं झेलना पड़ा। घर बैठे मोबाइल पर सोशल मीडिया में राष्ट्रहित से जुड़े पोस्ट डालना, मित्रों की पोस्ट पर तीखी टीका–टिप्पणी करना और हर मुद्दे पर विशेषज्ञ राय देना ही उनका कर्मक्षेत्र है। कुल मिलाकर दद्दा विशुद्ध देशभक्त हैं। देश के लिए उन्होंने भले ही कुछ किया हो या नहीं, लेकिन देशभक्ति पर प्रतिदिन कम–से–कम चार पोस्ट अवश्य करते हैं।

गंभीर जल और पर्यावरणीय संकट की आहट

हिमालयी बर्फ और ग्लेशियर पिघलाव से हिंदू कुश–हिमालय क्षेत्र की नदियों के कुल प्रवाह का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त होता है। यदि बर्फ की मात्रा लगातार घटती रही, तो प्रारंभिक वर्षों में बाढ़ की घटनाएं बढ़ सकती हैं, लेकिन दीर्घकाल में नदियों का जल स्तर घट सकता है, जिससे कृषि, जलविद्युत उत्पादन और पेयजल आपूर्ति पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। हिमालय में घटती बर्फ मानव अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बनती ...

हिमालयी क्षेत्रों में मानव गतिविधियों के दबाव ने बर्फ संकट को बढ़ाया है। कई सीमांत क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां भूस्खलन और हिमस्खलन संवेदनशील जगहों तक पहुंची हैं। हिम के घर के रूप में हिमालय में बर्फ की कमी गंभीर चिंता का विषय है। अध्ययनों के अनुसार हिमालय में हिमपात और बर्फ के जमाव की दर में कमी आ रही है, जिससे हैंगिंग ग्लेशियरों और हिमनदी झीलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके कारण केदारनाथ और ऋषिगंगा जैसी भयंकर आपदाओं की आशंका बढ़ रही है। साथ ही सतलुज–झेलम से लेकर ब्रह्मपुत्र तक हिमनदों पर निर्भर नदियों में जलप्रवाह में कमी की आशंका भी बढ़ गई है। इससे पूरे एशिया के मौसम में बदलाव की आशंकाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) की हालिया प्रकाशित वैज्ञानिक रिपोर्ट के आधार पर उत्तराखण्ड के अलकनन्दा बेसिन में बढ़ती हैंगिंग ग्लेशियरों की समस्या का स्वतः संज्ञान लिया। उक्त शोधपत्र के अनुसार उत्तराखंड के अलकनन्दा बेसिन में 219 हैंगिंग ग्लेशियरों की पहचान की गई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि और वर्षा के स्वरूप में बदलाव से इन ग्लेशियरों की स्थिरता तेजी से कम हो रही है। फलतः पर्वतीय ढलानों पर अचानक बर्फ या बर्फ–मिश्रित चट्टानों के गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे विनाशकारी हिमस्खलन और बाढ़ जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। काठमाण्डू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में हिंदू कुश–हिमालय क्षेत्र में बर्फ के जमीन पर टिके रहने की अवधि सामान्य से 27.8 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। यह पिछले दो दशकों में सबसे न्यूनतम स्तर है और लगातार चौथा वर्ष है जब हिम स्तर सामान्य से नीचे रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियल लेक्स की संख्या में वृद्धि के साथ नदियों के प्रवाह में भारी कमी आ सकती है। वर्ष 2019 में प्रकाशित इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट में कहा गया था कि यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया, तो इस सदी के अंत तक हिंदू कुश–हिमालय क्षेत्र के एक–तिहाई से अधिक ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं। इसी प्रकार, वर्ष 2021 में प्रकाशित 'विश्व मौसम संगठन' की रिपोर्ट में हिमालयी क्षेत्रों में औसत तापमान वृद्धि को वैश्विक औसत से अधिक बताया गया, जो ग्लेशियरों के तेज पिघलाव का प्रमुख कारण है। हिमालय में बढ़ते खतरों के चलते वर्ष 2021 की 7 फरवरी को चमोली जिले में ऋषिगंगा–धौलीगंगा आपदा हुई थी। इस घटना में अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार यह आपदा संभवतः एक चट्टान और ग्लेशियर के संयुक्त टूटने से उत्पन्न हुई थी। इसी तरह, वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा में अत्यधिक वर्षा, ग्लेशियर झील के फटने और भूस्खलन के संयुक्त प्रभाव से हजारों लोगों की जान चली गई थी। दरअसल, हिमालयी क्षेत्रों में मानव गतिविधियों का बढ़ता दबाव संकट को और जटिल बना रहा है। पिछले दो दशकों में तीर्थस्थलों, पर्यटन केंद्रों और सीमा क्षेत्रों में सड़कों, भवनों तथा अन्य बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है। वैज्ञानिकों ने पाया कि कई सीमांत क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां ऐसे स्थानों तक पहुंच गई हैं, जो भूस्खलन और हिमस्खलन के दृष्टि से अत्यधिक जोखिम वाले हैं। जब प्राकृतिक अस्थिरता और मानव दबाव एक साथ बढ़ते हैं, तो आपदाओं की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। अध्ययनों में पाया गया कि गंगा बेसिन के कई ग्लेशियर पिछले तीन दशकों में औसतन 10दृ30 मीटर प्रति वर्ष की दर से पीछे हट रहे हैं। इसके साथ ही ग्लेशियर झीलों की संख्या और आकार में भी वृद्धि हुई है। इन झीलों के अचानक फटने की घटनाएं विनाश का कारण बन सकती हैं। उत्तराखंड में 2013 के बाद से कई नई झीलों की पहचान की गई है, जिनमें से कई को उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। हिमालयी बर्फ और ग्लेशियर पिघलाव से हिंदू कुश–हिमालय क्षेत्र की नदियों के कुल प्रवाह का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त होता है। यदि बर्फ की मात्रा लगातार घटती रही, तो प्रारंभिक वर्षों में बाढ़ की घटनाएं बढ़ सकती हैं, लेकिन दीर्घकाल में नदियों का जल स्तर घट सकता है, जिससे कृषि, जलविद्युत उत्पादन और पेयजल आपूर्ति पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। हिमालय में घटती बर्फ मानव अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बनती जा रही है। इससे आने वाले वर्षों में हिमालयी क्षेत्र से जुड़े विशाल भूभाग को भी गंभीर जल–पर्यावरणीय संकट का सामना करना पड़ सकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सैन्य सेवा का अलहदा ढांचा और प्रतिज्ञा की पूर्णता

इसीलिए वेतन और पद अलहदा तार्किक रूपरेखा द्वारा तय किया जाना चाहिए। पद परिचालन प्राधिकार, कमान का जिम्मा और परिणामों के भार को परिलक्षित करता है। वेतन और भौतिक पहचान उस दायित्व को परिलक्षित करती है जो राज्य द्वारा पूरे कार्यकाल के दौरान देना बनता है और जिसे संस्थागत आवश्यकता के लिए जानबूझकर आकार देकर,संकुचित कर, संरचनात्मक रूप से ...

सैन्य और सिविल सेवाओं के ढांचे मौलिक तौर पर अलग–अलग हैं। सैन्य पद वेतन से नहीं, बल्कि कमान और परिणामों के जिम्मे से मापे जाते हैं। ऐसे में यहां मामला वेतन समानता का नहीं, बल्कि रूपरेखा का है। दरअसल, गैर–कार्यात्मक अपग्रेडेशन से विसंगति बढ़ी है। जब राष्ट्र सैनिक का ध्यान रखता है, तो आत्मविश्वास से उसकी क्षमता बढ़ती है। सिविल कर्मचारी और सैनिक, गणतंत्र को स्थिरता देने में जुड़वां स्तंभ हैं। एक निरंतरता एवं प्रशासनिक दृढ़ता के माध्यम से काम करता हैय तो दूसरा तीव्रता और अस्तित्वगत जोखिम के जरिए। दोनों ही अपरिहार्य हैं। दोनों ऐसे ढांचे के हकदार हैं जो परिलक्षित करता हो कि उन्हें वास्तव में क्या करने की आवश्यकता है। इनके बीच अंतर का जवाब पदानुक्रम में नहीं है। मसला गढ़ी गई एक रूपरेखा है। सेना के लिए कोई भी ढांचा एक मूलभूत वास्तविकता से शुरू होना चाहिए रू सशस्त्र बलों के पद, नागरिक प्रणालियों के ओहदों से मूलतरू भिन्न होते हैं। नागरिक जीवन में, पदानुक्रम काफी हद तक वरिष्ठता और प्रशासनिक तरक्की पाने का पैमाना होता है। जबकि सैन्य जगत में, यह जीवन एवं परिणाम पर परिचालन प्राधिकरण द्वारा तय होता है। एक प्रशासनिक त्रुटि से पैसे का नुकसान या देरी हो सकती हैय लेकिन कमान में हुई त्रुटि से जानें और इलाका गंवाना पड़ सकता है। सक्रिय अभियानों में सैनिकों की कमान संभालने वाले एक

ब्रिगेडियर के पास, एक कर्नल की तुलना में केवल अधिक वरिष्ठता ही नहीं होती बल्कि उसको परिणामों का एक बिल्कुल अलग और कहीं अधिक भारी बोझ भी उठाना पड़ सकता है। यह अंतर इसलिए मायने रखता है क्योंकि सैन्य पदानुक्रम संरचना को समझ–बूझकर पिरामिड की तरह शीर्ष पर संकरा होता बनाया गया है। युद्ध के मैदान में सबसे आगे रहने वालों के लिए युवावस्था की आवश्यकता होती है। इसलिए, संरचनात्मक रूप से फौज युवा बनी रहनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि बहुत कम संख्या में अफसर उच्चतर पदों तक पहुंच पाएं। यह कोई विफलता न होकर कमान संरचना का गणित है।

लेकिन इस गणित के परिणाम बहुत गहरे होते हैं। अधिकांश अधिकारी, चाहे वे कितने भी सक्षम क्यों न हों, कुछ निश्चित ओहदों से ऊपर कभी नहीं जा पाते। इसलिए, यह संस्था केवल उन लोगों द्वारा ही नहीं चलती जो शीर्ष तक पहुंचते हैं, बल्कि उन लोगों द्वारा भी परिचालित होती है, जो उस जगह बने रहते हैं जहां पर प्रणाली को उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है–मेजर और लेफ्टिनेंट कर्नल, कंपनी कमांडर और बटालियन के उप–कमान अधिकारी– वे अफसर हैं जो सेना का परिचालन भार ठीक उसी स्तर पर उठाते हैं जहां वे कमानगत पद परिणाम देने में सबसे मुफीद होते हैं। लेकिन जब इस समूह में आते अधिकारी अपने पद के भीतर कोई अर्थपूर्ण प्रगति होते नहीं देखते, रुतबे की एकमात्र दिखाई देने वाली पहचान (उच्चतर पद) पिरामिड की संरचना के मुताबिक जब उनमें से अधिकांश को नहीं मिल पाती, तब धीरे–धीरे कुछ कमजोर पड़ने लगता है। उनकी सक्षमता नहीं, न ही साहस। परंतु निश्चित तौर पर संस्था उन्हें अभी भी पहले जैसा ही देखती है। और फिर कई लोग सेना छोड़ देते हैं। विरोध में नहीं। बल्कि इसलिए, क्योंकि नागरिक जगत ने यह पहचानना सीख लिया है कि सैन्य सेवा ने उन लोगों के भीतर किन गुणों को पैदा किया है। दबाव वाली परिस्थिति में भी शांतचित्त रहना, निर्णय क्षमता व अनिश्चितता के बावजूद नेतृत्व का गुण होना और नागरिक जगत उन्हें एक ऐसा ढांचा मुहैया करता है जहां इन गुणों का यथोचित मोल पड़ता है। उस क्षण, राष्ट्र अपना सबसे कमजोर उत्पाद नहीं खोता, बल्कि बेहतरीन ढले (प्रशिक्षित) अपने लोगों में से कुछ को। यही कारण है कि श्पद श्रेणी के भीतर तरक्कीश का मामला महज दिखावटी मुद्दा नहीं। यह विसंगति की जड़ संस्थागत रूपरेखा में है। जिम्मेदारी, पेशेवर विशिष्टता, नियुक्ति पात्रता और पद–श्रेणी के भीतर दिखाई देने वाला रुतबा तब भी बना रहना चाहिए, जब तरक्की संभव न हो। वरना, व्यवस्था से अनजाने में यह संकेत मिलता है कि नौकरी का महत्व तभी है, जब कोई लगातार ऊपरी पदों पर चढ़ता रहे। लेकिन सेना सिर्फ एक सीढ़ी की तरह काम नहीं कर सकती। जिस किसी के पास जो पद है, वह अपने आप में उसके वहां पहुंचने को मान्यता है,न कि अगले पद के लिए महज एक इंतजारगाह। इसलिए, संरचना को बचाकर रखाना जरूरी है, पिरामिड की चोटी को चपटा करके नहीं, बल्कि यकीनी बनाना कि जब तक देश को इसकी जरूरत हो, अफसर अपने पद पर रहते हुए अपना सर्वोत्तम दे। वास्तव में यह हकीकत को मान्यता देना हैरू संस्था द्वारा चाही जाने वाली सबसे मुश्किल व जरूरी चीजों में से एक। यहीं गैर–कार्यात्मक उन्नयन उपाय परिदृश्य में दाखिल हुआ। जहां पर तरक्की के अवसर समान नहीं थे, गैर–कार्यात्मक उन्नयन का उपाय सिविल सेवाओं में पदोन्नति जड़ता तोड़ने के लिए बनाया गया। इसके पीछे का सिद्धांत समझ में आता हैय प्रशासनिक व्यवस्था को सेवा काल में विसंगति–नीत असमानताओं को कम करने के लिए एक उपाय की जरूरत थी। मुद्दा यह नहीं कि क्या इससे दूसरी सेवाओं को राहत मिली। मुद्दा यह है कि प्रशासनिक कैडर के लिए बनाया गया एक उपाय, सेना के उस ढांचे पर थोप दिया गया, जिसका सांचा पूरी तरह से अलहदी बुनियाद पर टिका है।

विश्व कप में मेस्सी को पछाड़ने का आखिरी मौका, क्या क्रिस्टियानो रोनाल्डो जीत पाएंगे फुटबॉल का सबसे बड़ा खिताब?

पिछले दो दशक से भी अधिक समय से फुटबॉल जगत में अपने पांवों का जादू बिखरने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो अभी तक विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा नहीं बन पाए हैं और 41 साल की उम्र में अब उनके पास इस खेल की सबसे बड़ी ट्रॉफी जीतने का आखिरी मौका होगा। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी ने लगभग हर ट्रॉफी अपने नाम की है लेकिन वह कभी विश्व कप नहीं जीत पाए। पांच बार बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए 226 मैच में 143 गोल किए हैं जो विश्व रिकॉर्ड है।

इस साल की शुरुआत में सऊदी प्रो लीग में अपनी क्लब टीम अल नासर की तरफ से खेलते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था जिसके कारण वह एक अप्रैल को अटलांटा में पुर्तगाल और अमेरिका के बीच मैत्री मैच में नहीं खेल पाए थे। रोनाल्डो अगर चोटिल नहीं होते हैं तो उनका विश्व कप की टीम में शामिल होना निश्चित है। अगर वह विश्व कप में खेलते हैं तो वह 2014 में मिशिगन में रियाल मैड्रिड की तरफ से मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ खेले गए मैच के बाद पहली बार अमेरिकी धरती पर खेलेंगे।

रोनाल्डो इस तरह से अर्जेंटीना के अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेस्सी के साथ छह विश्व कप में खेलने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन सकते हैं। रोनाल्डो ने नवंबर में सीएनएन को बताया था कि यह विश्व कप 'निश्चित रूप' से उनका आखिरी विश्व कप होगा। पुर्तगाल को विश्व कप में ग्रुप के में रखा गया है जहां उसका सामना कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो से होगा। इसे देखते हुए पुर्तगाल का अगले दौर में पहुंचना लगभग निश्चित लग रहा है। पुर्तगाल विश्व रैंकिंग में भले ही पांचवें स्थान पर काबिज हो, लेकिन पिछले साल नवंबर में क्वालीफाइंग में आयरलैंड के हाथों 2–0 की हार ने टीम को करारा झटका दिया था। यह हार इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि रोनाल्डो को एक डिफेंडर को कोहनी मारने के लिए लाल कार्ड दिखाया गया था।

रोनाल्डो को दो मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ा। पुर्तगाल ने वापसी करते हुए आर्मेनिया को 9–1 से हराकर विश्व कप में अपनी जगह पक्की की। यह पुर्तगाल का नौवां विश्व कप होगा। टीम 1966 में तीसरे और 2006 में चौथे स्थान पर रही थी, जब रोनाल्डो ने विश्व कप में पदार्पण किया था। विश्व कप 2022 में पुर्तगाल क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा, लेकिन मोरक्को से 1–0 से हार गया। रोनाल्डो तब 51वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे थे। पुर्तगाल का पहला मैच 17 जून को ह्यूस्टन में कांगो से होगा। कांगो ने विश्व कप में केवल एक बार 1974 में भाग लिया था। तब इस देश को जायरे के नाम से जाना जाता था।

पुर्तगाल को अपने ग्रुप में कोलंबिया से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है जिसमें मिडफील्डर जेम्स रोड्रिग्स जैसे खिलाड़ी हैं। यह कोलंबिया का सातवां विश्व कप है। टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना था, जहां उसे मेजबान ब्राजील से हार का सामना करना पड़ा था। कोलंबिया 17 जून को मैक्सिको सिटी में उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। उज्बेकिस्तान पहली बार विश्व कप में हिस्सा लेगा।

हांसी फ्लिक पर बार्सिलोना का बढ़ा भरोसा, लगातार दूसरी ला लीगा जीत के बाद 2028 तक बढ़ाया Contract

बार्सिलोना ने अपने मुख्य कोच हांसी फ्लिक के भविष्य को लेकर बड़ा फैसला ले लिया। क्लब ने आधिकारिक तौर पर जर्मन कोच हांसी फ्लिक का अनुबंध 2028 तक बढ़ा दिया हैं। बता दें कि फ्लिक का मौजूदा करार अगले सीजन तक था, लेकिन क्लब ने उनकी शानदार सफलता को देखते हुए एक साल का विस्तार और अतिरिक्त एक साल का विकल्प भी शामिल किया है।

गौरतलब है कि रविवार को खेले गए एल क्लासिको मुकाबले में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर ला लीगा खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के साथ टीम ने लगातार दूसरी बार लीग ट्रॉफी जीती और फ्लिक के नेतृत्व में क्लब का दबदबा फिर मजबूत होता दिखा है।

मौजूद जानकारी के अनुसार 61 वर्षीय हांसी फ्लिक ने अनुबंध बढ़ने के बाद खुशी जाहिर करते हुए कहा कि क्लब ने उन्हें और उनकी टीम को भरोसा दिया हैं। उन्होंने कहा कि बार्सिलोना जैसे बड़े क्लब में लंबे समय का करार हमेशा जरूरी नहीं होता और सीमित लेकिन भरोसेमंद समझौता दोनों पक्षों के लिए बेहतर रहता है।

बता दें कि हांसी फ्लिक ने साल 2024 में पूर्व कोच जावी हर्नांडेज की जगह बार्सिलोना की कमान संभाली थी। अपने पहले ही सीजन में उन्होंने क्लब को कोपा डेल रे खिताब दिलाया और अब लगातार दूसरी ला लीगा जीत के साथ अपनी छाप और मजबूत कर दी है।

फ्लिक के लिए यह समय निजी तौर पर भी काफी भावुक रहा। मौजूद जानकारी के अनुसार एल क्लासिको मुकाबले से पहले उनके पिता का निधन हो गया था। मैच शुरू होने से पहले स्टेडियम में एक मिनट का मौन भी रखा गया था। इसके बावजूद फ्लिक ने टीम के साथ बने रहकर खिताबी मुकाबले में जीत दिलाई, जिसकी काफी चर्चा हो रही है।

गौरतलब है कि हांसी फ्लिक इससे पहले बायर्न म्यूनिख और जर्मनी की राष्ट्रीय टीम के साथ भी बड़ी सफलताएं हासिल कर चुके हैं। बायर्न म्यूनिख के साथ उन्होंने बुंडेसलीगा, चौम्पियंस लीग और क्लब विश्व कप जैसे बड़े खिताब जीते थे। अब बार्सिलोना प्रबंधन को उम्मीद है कि फ्लिक आने वाले वर्षों में क्लब को यूरोप में भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

पी आर श्रीजेश का हॉकी इंडिया पर बड़ा हमला, बोले– Foreign Coach के लिए मुझे हटाया गया

भारत के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश नेविदेशी कोचों को तरजीह देने के हॉकी इंडिया के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद जूनियर टीम के कोच के पद से उन्हें हटा दिया गया। सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक पोस्ट में दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश ने लिखा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें हटाया गया क्योंकि हॉकी इंडिया जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहता है। श्रीजेश ने 'एक्स' पर लिखा ,''लगता है कि मेरा कोचिंग कैरियर डेढ साल के बाद ही खत्म हो गया है जिसमें हमने पांच टूर्नामेंट खेले और जूनियर विश्व कप समेत पांच बार पोडियम पर रहे।''

उन्होंने कहा ,'' मैने सुना है कि खराब प्रदर्शन के बाद कोचों को हटाया जाता है लेकिन पहली बार विदेशी कोच की नियुक्ति के लिये मुझे हटाया जा रहा है।'' श्रीजेश ने कहा ,'' हॉकी इंडिया अध्यक्ष का कहना है कि सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहते हैं क्योंकि उनका मानना है कि इससे जूनियर स्तर से सीनियर स्तर पर भारतीय हॉकी के विकास में मदद मिलेगी।'' भारत की जूनियर टीम के कोच के रूप में श्रीजेश का कार्यकाल दिसंबर 2025 में खत्म हो गया था और उन्होंने इस पद के लिए पुनः आवेदन किया था। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के मुख्य कोच दक्षिण अफ्रीका के क्रेग फुल्टोन हैं जबकि महिला टीम के कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन हैं। श्रीजेश पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद अंडर 21 पुरूष टीम के मुख्य कोच बने थे जिनके कार्यकाल में टीम ने जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जूनियर विश्व कप और जोहोर कप में कांस्य पदक जीता था।

श्रीजेश ने आगे लिखा ,'' क्या भारतीय कोच भारतीय हॉकी का विकास नहीं कर सकते।'' उन्होंने कहा कि खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी कहा था कि देश को उनके जैसे कोचों की जरूरत है लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा सिर्फ विदेशी कोचों पर है।

उन्होंने कहा ,'' सात मार्च 2026 को माननीय खेलमंत्री श्री मनसुख मांडविया के साथ एक मुलाकात में मुझे कहा गया था कि 2036 ओलंपिक की तैयारी के लिये श्रीजेश हमें तुम्हारे जैसे कोचों की जरूरत है।'' श्रीजेश ने कहा ,'' लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा चारों टीमों के लिये भारतीय कोचों की बजाय विदेशी कोचों पर है।'' उन्होंने इस पोस्ट में खेलमंत्री , पीएमओ , हॉकी इंडिया, भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की को टैग किया है।

ईरान युद्ध के मंडराते खतरे के बीच चीन पहुंचे ट्रंप, शी जिनपिंग से होगी अहम शिखर सम्मेलन

ट्रंप शी जिनपिंग के साथ एक अहम शिखर सम्मेलन के लिए चीन पहुँच गए हैं, जबकि बातचीत पर ईरान युद्ध का साया मंडरा रहा है। विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता सातवीं बार आमने–सामने की वार्ता होगी। वे आखिरी बार अक्टूबर 2025 में दक्षिण कोरिया के बुसान में एक दूसरे से मिले थे। चीन ने नौ वर्षों में दूसरी बार ट्रंप के स्वागत के लिए तैयारी कर ली है, जिसका उद्देश्य व्यापार समझौते पर सहमति बनना और शुल्क (टैरिफ) को लेकर जारी तनाव को कम करना है जिससे अमेरिका को होने वाले 525 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात प्रभावित हुए थे। शीर्ष मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के साथ यहां पहुंचने वाले ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2017 में चीन की यात्रा की थी और इसके बाद से किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने यहां की यात्रा नहीं की। अमेरिकी उप प्रेस सचिव अन्ना केली ने रविवार को बताया था कि राष्ट्रपति ट्रंप बुधवार शाम बीजिंग पहुंचेंगे और बृहस्पतिवार को स्वागत समारोह तथा शी चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों नेता शुक्रवार को चाय और दिन के भोजन पर फिर मिलेंगे। अमेरिका की योजना बाद में चीनी राष्ट्रपति की पारस्परिक यात्रा की मेजबानी करने की है। दोनों पक्षों ने रविवार को कहा था कि ट्रंप की यात्रा से पहले चीन के उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग अंतिम दौर की वार्ता के तहत अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के साथ व्यापार वार्ता के लिए 12 और 13 मई को दक्षिण कोरिया की यात्रा करेंगे। ट्रंप ने बीजिंग रवाना होने से पहले वाशिंगटन में मीडिया से कहा कि वह शी चिनफिंग से अन्य मुद्दों के बजाए सबसे अधिक चर्चा व्यापार को लेकर करेंगे। वह अमेरिकी खाद्य पदार्थ खरीदने और विमानों को अधिक संख्या में खरीदने के लिए चीन के साथ और अधिक समझौते करने की योजना बना रहे हैं। दोनों देशों ने चीन के साथ मतभेदों को दूर करने के लिए एक "बोर्ड ऑफ ट्रेड"स्थापित करने की भी योजना बनाई है। व्यापार के दृष्टिकोण से चीन को भरपूर लाभ मिलने की उम्मीद है क्योंकि ट्रंप के साथ अमेरिकी बहुराष्ट्रीय दिग्गजों के शीर्ष सीईओ भी हैं, जिनमें टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क और एप्पल के सीईओ टिम कुक शामिल हैं, जिनका चीन में अच्छी तरह से स्थापित व्यवसाय है।

आरएसएस के दत्तात्रेय होसबले का बड़ा बयान

पाकिस्तान को जवाब दें, पर बातचीत का दरवाजा खुला रखें

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबले, जो मोहन भगवत के बाद दूसरे सबसे बड़े महासचिव हैं, ने मंगलवार को कहा कि भारत को पाकिस्तान और सीमा पार आतंकवाद को उसके समर्थन के खिलाफ दृढ़ प्रतिक्रिया जारी रखनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को बातचीत के लिए दरवाजे खुले रखने चाहिए। अपने तर्क के समर्थन में, होसबले ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में उठाए गए कदमों का हवाला दिया, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कूटनीति का भी सहारा लिया था। उन्होंने बताया कि तनावपूर्ण स्थितियों के बावजूद पाकिस्तान के साथ संबंध बनाए रखने के प्रयासों के तहत वाजपेयी बस से लाहौर गए थे। उन्होंने एक पॉडकास्ट में कहा कि अब तक हर संभव प्रयास किया जा चुका है, लेकिन ऐसे और प्रयास जारी रहने चाहिए। अटल जी ने उनसे बातचीत करने की कोशिश की। वे बस से लाहौर गए और कई महत्वपूर्ण घटनाएँ घटीं। हमारे ख्वर्तमान, प्रधानमंत्री ने भी शपथ ग्रहण के समय पाकिस्तान को आमंत्रित किया था। होसबले ने पाकिस्तान को एक छोटी सी मूँछ बताते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान पुलवामा जैसी घटनाएँ पैदा करने की कोशिश करके एक छोटी सी मूँछ की तरह व्यवहार कर रहा है, तो हमें स्थिति के अनुसार उचित जवाब देना होगा, क्योंकि किसी देश और राष्ट्र की सुरक्षा और आत्मसम्मान की रक्षा करना आवश्यक है, और मौजूदा सरकार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए और इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को संवाद के द्वार पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा संवाद के लिए तत्पर रहना चाहिए। इसीलिए राजनयिक संबंध कायम हैं, व्यापार और वाणिज्य जारी है, और वीजा दिए जा रहे हैं। इसलिए हमें इन्हें रोकना नहीं चाहिए, क्योंकि संवाद के लिए हमेशा एक रास्ता खुला रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच खेल संबंध भी जारी रहने चाहिए। उन्होंने कहा, कि मुझे लगता है कि यही एक उम्मीद है, क्योंकि मेरा दृढ़ विश्वास है कि अंततः नागरिक समाज के रिश्ते ही काम आएंगे। क्योंकि हमारे बीच सांस्कृतिक संबंध हैं और हम कभी एक राष्ट्र रहे हैं। खेल आदान–प्रदान की संभावित पुनः शुरुआत को आशा की किरण बताते हुए उन्होंने कहा कि मुझे लगता है यही एक उम्मीद है, क्योंकि मेरा दृढ़ विश्वास है कि अंततः नागरिक समाज संबंध सफल होंगे। क्योंकि हमारा सांस्कृतिक संबंध है और हम एक राष्ट्र रहे हैं। उन्होंने आगे इस बात पर बल दिया कि आतंकवाद के प्रति कोई नरमी नहीं बरतनी चाहिए, लेकिन संवाद के लिए जगह बनी रहनी चाहिए।

कनाडा–ग्रीनलैंड के बाद अब वेनेजुएला पर डोनाल्ड ट्रंप की नजर, बनेगा America का 51वां राज्य?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 51वें राज्य को लेकर जुनून अभी खत्म नहीं हुआ है। पहले कनाडा की बात आई, जिसे उसके प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने हंसकर टाल दिया। फिर ग्रीनलैंड की बारी आई। यूरोपीय संघ की ओर से उन्हें कड़ा विरोध झेलना पड़ा, जिसकी ट्रंप को उम्मीद नहीं थी और यूरोपीय संघ ने अपने ही अंदाज में श्व्यापार युद्धश छेड़ने की धमकी दे डाली। अब उनका ध्यान वेनेजुएला की ओर मुड़ गया है। और क्यों न हो? उन्होंने लंबे समय से राष्ट्रपति रहे निकोलस मादुरो को सफलतापूर्वक सत्ता से बेदखल कर दिया है, और उन्हें पकड़ भी लिया हैय साथ ही, उन्होंने अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज को चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने सही कदम नहीं उठाया, तो उन्हें इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। शायद मादुरो से भी कहीं ज़्यादा। चीन जाते समय, ट्रंप ने श्ट्रुथ सोशलश पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने वेनेजुएला को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का सुझाव दिया। इस पोस्ट में उन्होंने उस लैटिन अमेरिकी देश का एक नक्शा भी लगाया था, जिसके अंदर अमेरिकी झंडा बना हुआ था। यह पोस्ट उस समय आया, जब ट्रंप राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक अहम शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीन जाने वाले थे। ट्रंप ने यह पोस्ट, रोड्रिगेज के उस बयान के एक दिन बाद किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके देश ने ष्कभी भीष् अमेरिका का हिस्सा बनने के बारे में नहीं सोचा, खासकर उसके 51वें राज्य के तौर पर। इस हफ्ते की शुरुआत में, ट्रंप ने थ्व छमू को यह भी बताया था कि वह वेनेजुएला को अमेरिका का एक नया राज्य बनाने पर विचार कर रहे हैं। उनकी यह टिप्पणी, उनके उस बयान के महीनों बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि तेल–समृद्ध इस देश पर उनका नियंत्रण है। यह दावा वेनेजुएला के राष्ट्रपति भवन पर अमेरिकी सेना के एक छापे के बाद किया गया था, जिसके दौरान मादुरो को पकड़ लिया गया था। मादुरो के पकड़े जाने के बाद रोड्रिगेज ने पदभार संभाला और तब से उन्होंने वॉशिंगटन के साथ संबंधों में सुधार की देखरेख की है। उन्होंने ऐसे सुधार भी लागू किए हैं, जिनसे वेनेजुएला के खनन और तेल क्षेत्र विदेशी कंपनियों, विशेष रूप से अमेरिका की कंपनियों के लिए फिर से खुल गए हैं। इसके बावजूद, रोड्रिगेज ने कहा है कि उन्होंने वेनेजुएला के अमेरिका का हिस्सा बनने की संभावना पर विचार नहीं किया है।

एयरफोर्स वन लेकर धड़धड़ाते हुए चीन में घुस गए ट्रंप, धांसू एंट्री देख चौंकी दुनिया!

एयरफोर्स वन जो अमेरिकी राष्ट्रपति का विमान है। यानी कि हवा में उड़ता हुआ व्हाइट हाउस और यह हवा में उड़ता हुआ व्हाइट हाउस पहुंचा है। चीन के बीजिंग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एयरफोर्स वन जैसे ही चीन की धरती पर लैंड किया वहां मौजूद लोगों की खुशी सातवें आसमान पर थी। जानदार शानदार तरीके के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत हुआ है और यह स्वागत इसलिए भी बहुत खास हो जाता है क्योंकि 9 साल बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति चीन के दौरे पर पहुंचा है। एक तो यह बहुत हाई प्रोफाइल दौरा है और ऊपर से अमेरिका के राष्ट्रपति का यूं आना अपने आप में सबको हैरान कर रहा है क्योंकि एक तरफ अमेरिका जहां ईरान से युद्ध में उलझा हुआ है तो दूसरी तरफ वो चीन के राष्ट्रपति से मुलाकात करने के लिए खुद पहुंचे हुए हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस बैठक में कई तरह के अहम मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच चर्चा होनी है। जिसमें ट्रेड से लेकर ताइवान तक का मुद्दा शामिल है। वहां लोगों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत किया है।

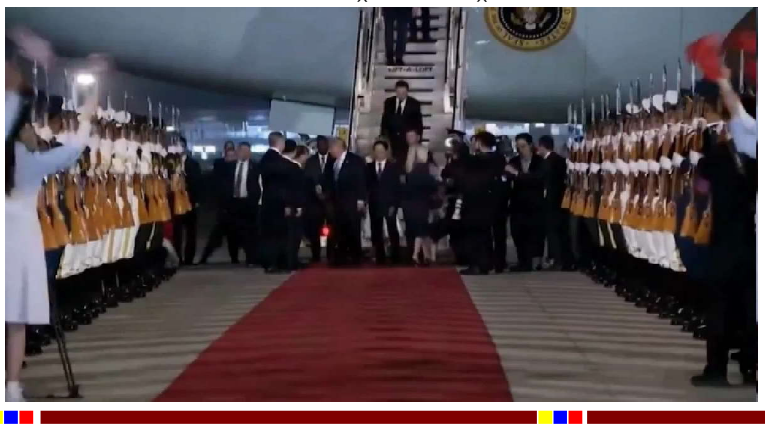

बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रिसीव करने के लिए कोई और नहीं बल्कि शी जिंगपिंग ने अपने तमाम पसंदीदा लोग एयरपोर्ट पर भेजे थे और उनका खूब लाऊ लश्कर के साथ स्वागत किया गया है। बच्चे भी दिखाई दिए जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत करते हुए देखे जा सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत हुआ और फिर वो अपने चित परिचित अंदाज में सबका धन्यवाद करते हुए सवार हो गए उस सवारी में जो बीते कई दिनों पहले ही चीन पहुंचाई जा चुकी थी। यानी कि अमेरिकन प्रेसिडेंट की कार द बीस्ट में। द बीस्ट पर सवार होकर अपने आगे के कार्यक्रम के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बढ़ गए हैं। कुल मिलाकर दोनों पक्षों का बॉडी लैंग्वेज इस वक्त पॉजिटिव है और दोनों ही पक्षों को उम्मीद है कि कोई विनवि–विन सिचुएशन जैसा मामला ही इस बैठक से आगे निकल कर आ जाएगा और यही वजह है कि ट्रंप के स्वागत में चीन कोई कमी नहीं रखना चाहता।

अमेरिकी उप प्रेस सचिव अन्ना केली ने रविवार को बताया था कि राष्ट्रपति ट्रंप बुधवार शाम बीजिंग पहुंचेंगे और बृहस्पतिवार को स्वागत समारोह तथा शी चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों नेता शुक्रवार को चाय और दिन के भोजन पर फिर मिलेंगे। अमेरिका की योजना बाद में चीनी राष्ट्रपति की पारस्परिक यात्रा की मेजबानी करने की है। दोनों पक्षों ने रविवार को कहा था कि ट्रंप की यात्रा से पहले चीन के उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग अंतिम दौर की वार्ता के तहत अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के साथ व्यापार वार्ता के लिए 12 और 13 मई को दक्षिण कोरिया की यात्रा करेंगे।

पत्रकार पर दर्ज एफआईआर के विरोध में सपा का प्रदर्शन, राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। पत्रकार पर दर्ज एफआईआर के विरोध में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। सपा नेताओं ने पत्रकार के खिलाफ दर्ज मुकदमे को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए तत्काल एफआईआर निरस्त किए जाने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि पत्रकारों का कार्य जनसमस्याओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को जनता के सामने लाना है। ऐसे में पत्रकारों पर मुकदमा दर्ज करना स्वतंत्र पत्रकारिता को दबाने का प्रयास है। सपा पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि एफआईआर वापस नहीं ली गई तो पार्टी आंदोलन तेज करने को बाध्य होगी। इस दौरान सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पत्रकार हितों की रक्षा तथा निष्पक्ष कार्रवाई की मांग उठाई। ज्ञापन सौंपने के मौके पर पार्टी के कई पदाधिकारी और समर्थक मौजूद रहे।

7 साल के मासूम की निर्मम हत्या से दहला कैसरगंज, झाड़ियों में मिला शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच के कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र में 7 वर्षीय

मासूम की गला काटकर हत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान धनंजय निवासी मंझारा तौकली के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। बताया जा रहा है कि धनंजय पड़ोसी गांव में एक शादी समारोह में गया था, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद उसका शव झाड़ियों में पड़ा मिला। मासूम के गले पर गंभीर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका गहरा गई। शुरुआत में ग्रामीणों और पुलिस को किसी जंगली जानवर के हमले की आशंका थी, लेकिन जांच और पोस्टमार्टम के बाद मामला हत्या का निकला। पुलिस के मुताबिक पुरानी रंजिश के चलते मासूम को निशाना बनाया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरतार कर लिया है तथा मामले में थ्र्ट दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। मासूम की दर्दनाक हत्या से परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में मातम पसरा हुआ है।

भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण पर सख्त हुई प्रशासनिक मशीनरी, डीएम ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र के 0 से 15 किलोमीटर के

दायरे में स्थित सरकारी भूमि एवं नो मेन्स लैण्ड पर हुए अवैध अतिक्रमण को हटाने संबंधी कार्यों की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सीमा क्षेत्र में चिन्हित अतिक्रमणों की स्थिति, की गई कार्रवाई तथा आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकारी भूमि एवं नो मेन्स लैण्ड पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज करते हुए कब्जाधारकों के विरुद्ध नियमानुसार वाद पंजी.त कराने के निर्देश दिए। साथ ही सीमा क्षेत्र में सतत निगरानी बनाए रखने और राजस्व, पुलिस व अन्य संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखी जाए तथा सभी मामलों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि सीमा क्षेत्र में सरकारी भूमि सुरक्षित रह सके।

नेपाल सीमा पर बड़ी कार्रवाई, ढाई करोड़ की चरस के साथ नेपाली तस्कर गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। भारत–नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी

थमने का नाम नहीं ले रही है। सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसएसबी को बड़ी सफलता हाथ लगी है। रुपईडीहा थाना क्षेत्र में नेपाल सीमा के पास एसएसबी जवानों ने एक नेपाली तस्कर को भारी मात्रा में चरस के साथ गिरतार किया है। जानकारी के अनुसार, एसएसबी टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान नेपाल निवासी जाबिर हलवाई को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से 4 किलो 665 ग्राम चरस बरामद हुई। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब ढाई करोड़ रुपये बताई जा रही है। एसएसबी ने आरोपी तस्कर को कब्जे में लेकर रुपईडीहा थाने पहुंचाया, जहां उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। सीमा क्षेत्र में लगातार बढ़ रही ड्रग्स तस्करी को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है।

लिटिल लावर्स स्कूल बस्ती ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में फिर लहराया सफलता का परचम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सीबीएसई बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम में लिटिल लावर्स स्कूल, बस्ती ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय की छात्रा सृष्टि शुक्ला ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। खास बात यह रही कि सृष्टि ने अकाउंटेंसी विषय में 100 में 99 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल बन गया और छात्र, शिक्षक तथा अभिभावकों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर आयोजित स्वागत समारोह में विद्यालय के प्रबंधक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, निर्देशक राहुल सिंह एवं निर्देशिका अपर्णा सिंह ने मेधावी छात्रों को मिठाई खिलाकर और माला पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के अनुसार, इस वर्ष कक्षा 12वीं में 20 से अधिक विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक तथा 50 से अधिक विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय की टॉपर सूची में सृष्टि शुक्ला 96 प्रतिशत

के साथ प्रथम, आस्था सिंह 94 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा किन्जल सिंह एवं ज्योति यादव 93 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। इसके अलावा अनुष्का पटेल, आयुष सिंह, इकरा चौधरी, साक्षी, अदिति सिंह (92 प्रतिशत), रागिनी यादव (91.40 प्रतिशत), सारन्या सिंह, दिव्य, अर्चना साहु, श्रेया सिंह, राज वर्मा (91 प्रतिशत), गरिमा चौधरी (90.40 प्रतिशत), नैन्सी मिश्रा, वर्षा शर्मा, दीपक विश्वकर्मा, दीपाली श्रीवास्तव, शालिनी चौधरी, वैष्णवी श्रीवास्तव एवं मीनाक्षी पाल (90 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रबंधक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि विद्यालय लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता बनाए रखेगा। विद्यालय के निर्देशक राहुल सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं को बेहतर बनाने का अवसर है। उन्होंने कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को निराश न होने और दोगुनी मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय द्वारा "सुमधुर फाउंडेशन क्लासेस" प्रारंभ की गई हैं, जिनमें नियमित टेस्ट, डाउट क्लियरिंग सेशन एवं विशेष मार्गदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों की तैयारी को और मजबूत बनाया जाएगा। विद्यालय की निर्देशिका अपर्णा सिंह ने कहा कि जिन विद्यार्थियों को अपेक्षा के अनुरूप अंक नहीं मिले हैं, उन्हें हताश होने की आवश्यकता नहीं है। मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर वे आने वाले समय में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। प्रधानाचार्या वंदना सिंह ने विद्यार्थियों को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने सभी छात्रों को भविष्य में भी समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, समन्वयक, अभिभावक एवं विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चुनावी रंजिश बनी खूनी संघर्ष, विपिन सिंह को मारी गोली,अस्पताल में चल रहा इलाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव में सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब कथित चुनावी रंजिश के चलते पत्रकार विपिन सिंह और उनके भाई अमित सिंह पर फायरिंग कर दी गई।गोली लगने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।इस घटना ने जिले की कानून व्यवस्था के साथ–साथ पत्रकारों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय चर्चा से प्राप्त जानकारी के अनुसार पत्रकार विपिन सिंह गांव में आगामी प्रधानी चुनाव की तैयारी कर रहे थे।इसी को लेकर गांव के वर्तमान प्रधान अशोक सिंह से लंबे समय से विवाद और राजनीतिक तनाव चल रहा था।बताया जा रहा है कि मंगलवार देर रात गांव में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी,जिसके बाद मामला और अधिक तनावपूर्ण

हो गया।आरोप है कि बुधवार सुबह जब विपिन सिंह अपने घर पर थे,तभी प्रधान अशोक सिंह अपने समर्थकों के साथ वहां पहुंचे और गाली–गलौज करते हुए फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में विपिन सिंह के जांघ में गोली लगी,जबकि उनके भाई अमित सिंह के अंगूठे में गोली लगने की सूचना है।गोली चलने की आवाज से गांव में अफरा–तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए।घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलसर पहुंचाया गया,जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को मेडिकल कॉलेज गोण्डा रेफर कर दिया गया। अस्पताल में दोनों का इलाज जारी है।घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय, क्षेत्राधिकारी तरबगंज डॉ. उमेश्वर प्रभात सिंह,उमरी बेगमगंज थाना पुलिस और एसओजी टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची।पुलिस ने घटनास्थल से चली हुई गोलियों के खोखे बरामद किए हैं।साथ ही प्रधान अशोक सिंह की वह गाड़ी भी कब्जे में ली गई है,जिससे उनके मौके पर पहुंचने की बात कही जा रही है।वहीं इस विवाद के दौरान प्रधान अशोक सिंह के भी घायल होने की बात सामने आई है।उनका इलाज भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलसर में कराया गया।दोनों पक्षों ने एक–दूसरे के खिलाफ थाने में तहरीर देकर गंभीर आरोप लगाए हैं।लोगों का कहना है कि यदि एक पत्रकार अपने ही गांव में सुरक्षित नहीं है तो आम नागरिकों की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है।ग्रामीणों ने आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की है।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है,लेकिन दिनदहाड़े हुई इस फायरिंग की घटना ने जिले की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है।इस सम्बन्ध में एएसपी राधेश्याम ने बताया कि घर के पीछे से पिस्तौल भी बरामद कर ली गई है और जांच जांच जारी है।

ऑडिट आपत्तियों के समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई–डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के जिला पंचायत सभागार में डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में जिला पंचायत एवं पंचायती राज विभाग से संबंधित लंबित ऑडिट आपत्तियों के निस्तारण के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने लंबित ऑडिट आपत्तियों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।बैठक के दौरान डीएम ने संबंधित खण्ड विकास अधिकारियों,सहायक विकास अधिकारी पंचायत एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को

स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जिन ग्राम पंचायत सचिवों एवं अधिकारियों के स्तर पर ऑडिट कार्य लंबित है,उनसे तत्काल संपर्क स्थापित कर आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराए जाएं तथा ऑडिट आपत्तियों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप वित्तीय पारदर्शिता एवं प्रशासनिक उत्तरदायित्व बनाए रखना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।डीएम ने कहा कि ऑडिट आपत्तियों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेते हुए लंबित प्रकरणों का निस्तारण कराएं तथा जिन मामलों में अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी द्वारा ऑडिट आपत्तियों के निस्तारण में लापरवाही बरती गई या समय से अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए, तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें,जिससे विभागीय कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनी रहे।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्यों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।बैठक में संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महिला नपाध्यक्ष को नहीं है आधी आबादी की बेबसी की परवाह, प्रसाधन की कमी से बेपरवाह

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। देश भर में आधी आबादी को लाभ देने, आर्थिक रूप से मजबूत बनाने तथा समान अधिकार देने की कवायद चल रही है लेकिन नगरपालिका क्षेत्र उतरौला में महिलाओं की मूलभूत जरूरतों की अनदेखी हो रही है। यह स्थिति तब है जब आरक्षण का फायदा लेकर नगरपालिका अध्यक्ष के पद पर महिला चेयरमैन तैनात हैं। नगर क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए नगरपालिका ने कहीं भी प्रसाधन की व्यवस्था नहीं की है। हालांकि तहसील परिसर, सीएचसी, कोतवाली में इसकी व्यवस्था है लेकिन अंबेडकर चौराहा, श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौराहा, सार्वजनिक बैंक, पचपेड़वा मार्ग तथा तुलसीपुर मार्ग इस सुविधा से अछूते हैं। अंबेडकर चौराहा, श्यामाप्रसाद मुखर्जी चौराहा अतिव्यस्त स्थानों में शुमार हैं जहां चारों तरफ के निजी व सरकारी वाहन सवारियों को लाकर छोड़ने व उठाने के लिए जाने जाते हैं। लंबी दूरी से यात्रा करके आई मातृशक्ति को जब सार्वजनिक प्रसाधन की आवश्यकता होती है तो अतिव्यस्त और भीड़ वाले स्थानों पर इसकी व्यवस्था न होने पर उनकी बेबसी देखकर भले ही स्थानीय लोगों और दुकानदारों को पीड़ा होती हो लेकिन संवेदनाहीन नगरपालिका प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। इसी तरह बैंकों में भी कमी नेटवर्क न होने, ज्यादा भीड़ होने या कैश न होने पर लंबी प्रतीक्षा करने वाली महिला ग्राहकों को भी प्रसाधन की कमी बहुत अखरती है। नगरपालिका ने मोबाइल टायलेट खरीद कर लाखों रुपये भले ही खर्च कर दिए हों लेकिन इसको सार्वजनिक उपयोग के लायक कहीं स्थापित ही नहीं किया है। टेलीफोन एक्सचेंज के पास गड्ढे में पड़े मोबाइल टायलेट्स स्वच्छ भारत मिशन और नगर के अपव्यय की पोल खोल रहे हैं। इसी तरह वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय के पास प्राइवेट बस स्टैंड पर कूड़े और गंदे पानी के जमाव के बीच रखा मोबाइल टायलेट नगरपालिका के संवेदनहीनता की कहानी कह रहा है।स्थानीय निवासी राम दयाल यादव, विकास गुप्त, ऐमन रिजवी, एजाज मलिक का कहना है कि एक महिला जनप्रतिनिधि को महिलाओं की बेबसी और जरूरत को समझते हुए प्राथमिकता के आधार पर सार्वजनिक स्थानों पर टायलेट्स की व्यवस्था करानी चाहिए। ईओ राजमणि वर्मा का कहना है कि सफाई लिपिक को आदेश दिया जाएगा कि जिन स्थानों पर मोबाइल टायलेट की आवश्यकता है उनको चिन्हित कर पर्याप्त व्यवस्था करा दी जाए।

नर्स सेवा, समर्पण और करुणा की जीवंत मिसाल हैं

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में मंगलवार को देर शाम अंतरराष्ट्रीय नर्स

दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, गोंडा शाखा द्वारा श्री श्याम हॉस्पिटल,ददुआ बाजार,गोन्डा में उपस्थित समस्त महिला नर्सों के साथ यह दिवस अत्यंत सम्मान,आत्मीयता एवं गरिमामयी वातावरण में मनाया गया।इस अवसर पर नर्सिंग स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सेवा भाव, अनुशासन,धैर्य एवं मानवता को नमन किया गया।कार्यक्रम के दौरान केक काटकर सभी उपस्थित नर्सों को उपहार एवं चॉकलेट प्रदान कर समाज के प्रति उनके अतुलनीय योगदान हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया।कार्यक्रम में श्री श्याम हॉस्पिटल के प्रबंधक डॉ. डी.एन. अग्रवाल एवं डॉ. नमन अग्रवाल को मंच द्वारा उन्हें दुपट्टा पहनाकर एवं बुके भेंट कर सम्मान प्रकट किया गया।नर्सें हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा,धैर्य एवं समर्पण के साथ करती हैं। उनसे हमें सेवा भावना,समय की महत्ता एवं मानवता की प्रेरणा प्राप्त होती है।कार्यक्रम के दौरान मारवाड़ी युवा मंच के शाखा अध्यक्ष राम मनोहर अग्रवाल, मंत्री पवन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष वैभव अग्रवाल, सचिन खेमका,विकास अग्रवाल,गोपाल भावसिंहका सहित अन्य लोग मौजूद रहे।और मारवाड़ी युवा मंच देवीपाटन महिला मंडल शाखा द्वारा भी नर्सों को सम्मानित किया गया।महिला मंडल में,सलोनी मोदी,ज्योति गर्ग, सीमा सोमानी,अनीता नहारिया एवं वर्षा भावसिंहका सहित अन्य लोग मौजूद रही।

गन्ना सर्वे में वास्तविक गन्ना किस्म का ही होगा अंकन:डीसीओ

कुशीनगर,। आगामी पेराई सत्र हेतु शासन द्वारा जारी गन्ना सर्वेक्षण नीति के क्रम में जनपद में गन्ना सर्वेक्षण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। जो 30 जून तक संचालित रहेगा। गन्ना सर्वेक्षण कार्य को अधिक पारदर्शी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विभाग द्वारा महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश जारी किए गए है। उक्त जानकारी जिला गन्ना अधिकारी हुदा सिद्दीकी ने देते हुए बताया कि सर्वेक्षण के दौरान खेतों में मौजूद वास्तविक गन्ना किस्म का ही अंकन अत्यंत सावधानी पूर्वक किया जाएगा। सर्वेक्षण कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि मौके पर उपलब्ध वास्तविक गन्ना प्रजाति को ही अभिलेखों में दर्ज करें, जिससे विभागीय आंकड़े वास्तविक स्थिति के अनुरूप तैयार हो सकें। डीसीओ ने कहा कि इस बार सर्वेक्षण में केवल गन्ने के रकबे का ही विवरण नहीं लिया जाएगा, बल्कि गन्ने के साथ की गई सहफसली खेती (इंटरक्रॉपिंग), एग्रोफॉरेस्ट्री एवं फार्म फॉरेस्ट्री के अंतर्गत की गई खेती का विवरण भी अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाएगा। इससे किसानों द्वारा अपनाई जा रही विविधीकृत खेती प्रणाली का वास्तविक आंकलन संभव हो सकेगा तथा भविष्य की योजनाओं एवं नीति निर्माण में सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि ट्रेंच विधि एवं जोड़ीदार पंक्ति प्रणाली से की गई गन्ना बुवाई का भी पृथक विवरण संकलित किया जाएगा। जिससे यांत्रिक गन्ना कटाई हेतु विश्वसनीय एवं सटीक आंकड़े उपलब्ध हो सकेंगे। विभाग का उद्देश्य टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली को बढ़ावा देना तथा किसानों को आधुनिक एवं विविधीकृत खेती के लिए प्रोत्साहित करना है। सटीक सर्वेक्षण से गन्ना उत्पादन का वास्तविक आंकलन संभव होगा तथा किसानों को विभागीय योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जा सकेगा। साथ ही किसानों की गन्ना सर्वेक्षण संबंधी समस्याओं एवं शंकाओं के त्वरित समाधान हेतु गन्ना विकास विभाग द्वारा मुख्यालय स्तर पर टोल–फ्री किसान कॉल सेंटर 1800–121–3203 स्थापित किया गया है। जो 24×7 संचालित है। किसान किसी भी जानकारी अथवा समस्या के समाधान हेतु इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

तैयारियां पूर्ण, डीबीए के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को 15 मई को दिलाई जाएगी शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 15 मई को पूर्वान्ह 11 बजे तहसील सभागार रॉबर्ट्सगंज में संपन्न होगा। जिसकी तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बुधवार को डीबीए भवन में एक आवश्यक बैठक हुई, जिसमें विचार–विमर्श के बाद विभिन्न समितियों का गठन कर सम्बन्धितों को जिम्मेदारी दी गई है। बता दें कि इस गरिमामय समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं पदाधिकारी गोपनीयता की शपथ लेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरिशंकर सिंह एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष/सदस्य बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश होंगे, वहीं विशिष्ट अतिथि पांचू राम मौर्य एड पूर्व अध्यक्ष/ सदस्य बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश, सांसद छोटेलाल सिंह खरवार व आशुतोष सिन्हा एडवोकेट सदस्य स्नातक क्षेत्र वाराणसी होंगे। समारोह की तैयारियों को लेकर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के पदाधिकारियों की

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर सम्बन्धितों को दायित्व सौंपे गए। स्वागत समिति की जिम्मेदारी यादव एडवोकेट को दी गई मंच व्यवस्था व मीडिया समन्वय की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव एडवोकेट, सुरेश वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार सिंह कुशवाहा एड, पवन कुमार सिंह एड व प्रदीप कुमार मौर्य एडवोकेट को दी गई है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के निवर्तमान अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में जिले के समस्त अधिवक्तागण, जनप्रतिनिधिगण , प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी अधिवक्ता हितों की रक्षा एवं न्यायिक व्यवस्था को सु.ढ़ बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। बैठक की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट व संचालन निवर्तमान वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने किया। बैठक में पवन कुमार सिंह एड, प्रदीप कुमार मौर्य एड, राजेश कुमार यादव एड, रियाज़ खान, चंद्र प्रकाश सिंह, चतुर्भुज शर्मा, संतोष यादव, सुरेश कुशवाहा, द्वारकानाथ नागर, टीटू गुप्ता, आदर्श देव पांडेय, स्वरा भास्कर, आशुतोष देव पांडेय, रामगुल्ली यादव, सुदेश कुमार, दशरथ यादव,राकेश कुमार सिंह, रविंद्र सिंह, रोशन, विनीता आदि मौजूद रही।

बारातियों से भरी पिकअप पलटी, घायलों का हाल जानने रात में मेडिकल कॉलेज पहुंचे जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सिलथं क्षेत्र में बारात लेकर जा रही एक पिकअप

गाड़ी अचानक मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे उसमें सवार कई बाराती घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी चर्चित गौड़ देर रात मेडिकल कॉलेज पहुंचे और घायल व्यक्तियों का हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य मेडिकल कॉलेज को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी घायलों का समुचित एवं त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

टैंकर के धक्के से घायल पीआरबी के जवान की उपचार के दौरान मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। थाना क्षेत्र के बभनी – अम्बिकापुर मार्ग पर मंगलवार को शाम करीब पांच बजे दरनखांड़ मोड़ के पास टैंकर के धक्के से घायल पीआरबी के जवान की बुधवार को भोर में ट्रामा सेंटर वाराणसी में मौत हो गई।मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार नीरज कुमार यादव 32 पुत्र राम मिलन यादव निवासी नरसिंह गढ़ थाना कुंडा प्रतापगढ़ की बुधवार को भोर में ट्रामा सेंटर वाराणसी में उपचार के दौरान मौत हो गई। मंगलवार को दरनखांड़ गांव से सूचना आई थी। सूचना पर पीआरबी के जवान नीरज अपने साथी भीम सिंह के साथ जा रहे थे। दरनखांड़ मोड़ पर पहुंच कर कालर के बारे में पुछ रहे थे कि रेणुकूट से अम्बिकापुर की तरफ जा रहे टैंकर ने धक्का मार दिया। टैंकर के धक्के से तीन लोग घायल हो गए थे। घायलों में नीरज और सौरभ की हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया था।नीरज को जिला अस्पताल से भी ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया जहां उपचार के दौरान बुधवार को भोर में उनकी मौत हो गई। चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित करते ही परिजनों में चीख–पुकार शुरू हो गई और माता पिता दहाड़ मारकर रोना शुरू कर दिए।इधर बभनी थाने में मौत के बाद शोक की लहर दौड़ गई।नीरज की दो फरवरी को बभनी थाने में तैनाती हुई थी,चार महीने में ही सभी का दिल जीत लिया था।उधर गंभीर रूप से घायल इकदीरी निवासी सौरभ 18 का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

शादी अनुदान योजना वेबसाइट पर करे आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 में अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना हेतु आवेदन पत्र स्वी.त एवं वितरण इण्टरनेट आधारित प्रणाली के द्वारा निम्न विवरणानुसार आवेदन किया जाना है आनलाईन आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया, आवेदक द्वारा पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की वेबसाइट **http:@@backwardwelfare-up-nic-in** पर लॉगिन करके आनलाईन आवेदन किया जा सकता है। आवेदक द्वारा अपना आवेदन पत्र जनसुविधा केन्द्रो, साइबर कैफे, निजी इण्टरनेट केन्द्र अथवा विभागीय वेबसाइट पर स्वयं द्वारा भरा जा सकता है। आनलाईन आवेदन पत्र में दर्ज प्रविष्टियों की शुद्धता का पूर्ण उत्तरदायित्व आवेदक का होगा। आनलाईन आवेदन शादी के तिथि से 90 दिन पूर्व तथा 90 दिन पश्चात तक करना अनिवार्य होगा। शहरी क्षेत्र तथा ग्रामीण क्षेत्र हेतु वार्षिक आय रु० 1,00,000,000 (एक लाख) से अधिक न हों। आय, जाति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, आधार कार्ड आवेदक का होना अनिवार्य है। अनुदान प्राप्त करने हेतु एक परिवार से अधिकतम 02 पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान अनुमन्य होगा। शादी कार्ड, कन्या एवं वर का आधार कार्ड (कन्या 18 वर्ष वर 21 वर्ष से कम न हो) आवेदन पत्र के साथ होना अनिवार्य है। आवेदक का बैंक खाता स्टेट बैंक आफ इण्डिया, राष्ट्रीय.त बैंको अथवा रिजर्व बैंक आफ इण्डिया द्वारा अधि.त ऐसे बैंको में होना चाहिए, जिन्हें आई०एफ०एस० कोड प्रदत्त हो तथा पी०एफ०एम०एस० पर पंजी.त है ताकि ई–पेमेन्ट के माध्यम से उनके खातों में सीधे धनराशि अन्तरित की जा सके। शादी अनुदान योजनान्तर्गत प्रति लाभार्थी रू0 20,000.00 (बीस हजार मात्र) की धनराशि देय है।

दोना बनाने वाले कारीगरों को मिलेगा निःशुल्क मोटराज्ड दोना मेकिंग मशीन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतम त्रिपाठी ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में निःशुल्क दोना मेकिंग मशीन हेतु जनपद को मुख्यालय द्वारा 8 नग का वार्षिक लक्ष्य प्राप्त हुआ हैं, उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा निःशुल्क संचालित टूल किट्स वितरण योजनान्तर्गत परम्परागत कारीगरों एवं उद्योग में रुचि रखने वाले प्रशिक्षण प्राप्त एवं अनुभवी व्यक्ति कार्य करने वाले इच्छुक उद्यमियों को निःशुल्क मोटराइज्ड दोना मेकिंग मशीन देकर स्वरोजगार उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान है। दोना बनाने वाले इच्छुक कारीगर/उद्यमी बोर्ड की वेबसाइट upkvib.gov.in की ऑनलाइन सेवाओं के अन्तर्गत ऑनलाइन टूल किट्स हेतु पंजीकरण कर सकते है और पंजीकरण करने की अन्तिम तिथि 25.05.2026 निर्धारित की गयी है, आवेदन ऑनलाइन उपरान्त हार्ड कापी कार्यालय में जमा किया जाना है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन पत्र स्वीकार्य नही किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये अधोहस्ताक्षरी के सी०यू०जी० मो0नं0 9580503175 पर भी सम्पर्क कर सकते हैं।

इमरती कॉलोनी में जलभराव समस्या के निराकरण हेतु जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। इमरती कॉलोनी में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान एवं वाराणसी–शक्तिनगर राज्य मार्ग पर नगर पालिका क्षेत्र में साइड में निर्मित नाले की सफाई हेतु जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज वाराणसी–शक्तिनगर राज्य मार्ग पर निर्मित नाले का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में स्थित लगभग दो किलो मीटर लंबे नाले की सफाई कम से कम पांच टीम लगाकर युद्धस्तर पर कराई जाए। साथ ही नाले की सफाई से संबंधित प्रतिदिन की जियो टैग फोटो उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुकेश कुमार को भी निर्देशित किया कि नगर पालिका की टीम को सफाई कार्य में लगाया जाए तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सफाई कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध पेनल्टी की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने इमरती कॉलोनी के पास जलभराव की गंभीर समस्या के निराकरण हेतु कराए जा रहे सर्वे कार्य की प्रगति की भी जानकारी ली तथा अधिकारियों को शीघ्र सर्वे पूर्ण कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के अधिशासी अभियंता उपस्थित रहे।

जीजा ने साली को मारी गोली, फिर स्वयं को गोली मारकर उड़ाया, दोनों मौत

कुशीनगर। जनपद के तमकुहीराज थाना क्षेत्र के बसडिला बुजुर्ग गांव में बुधवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात से पूरा इलाका दहल उठा। यहां एक युवक ने अपनी ही साली को कमरे में बंद कर गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार लिया। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया, जबकि इलाके में तरह–तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। मृतक युवक की पहचान जितेंद्र प्रजापति 28 वर्ष निवासी धर्म चौक थाना कुचायकोट जनपद गोपालगंज बिहार के रूप में हुई है। वही मृतका नैना प्रजापति 20 वर्ष पुत्री शंभू प्रजापति निवासी बसडिला बुजुर्ग थाना तमकुहीराज जनपद कुशीनगर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार जितेंद्र की शादी लगभग 11 माह पूर्व नैना की बड़ी बहन बेवी प्रजापति से हुई थी। वह विदेश में रहकर काम करता था और हाल ही में अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए घर आया था। इसी दौरान वह अपनी साली नैना को ससुराल से अपने घर ले जाना चाहता था। बताया जाता है कि कुछ दिन पहले भी वह नैना को अपने घर ले जाने के लिए ससुराल आया था, लेकिन परिजनों ने भेजने से इनकार कर दिया था। इसके बाद फिर मंगलवार की शाम वह ससुराल बसडिला बुजुर्ग पहुंचा और रात में ही ससुराल में रुका। बुधवार सुबह करीब आठ बजे जितेंद्र ने फिर ससुराल पक्ष से नैना को अपने साथ भेजने की बात कही। इसके बाद वह आराम से भोजन किया। इसी दौरान उसने नैना को कमरे में बुलाया और अंदर से दरवाजा बंद कर दिया। कुछ ही क्षण बाद कमरे से गोली की आवाज सुनाई दी। जब तक परिजन कुछ समझ पाते, अंदर का दृश्य देख सबका होश उड़ गया। नैना खून से लथपथ पड़ी थी, जबकि जितेंद्र ने भी खुद को गोली मार ली थी। दोनों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। दिन दहाड़े हुई घटना से गांव में सन्नाटा फैल गया। लोगों में तरह–तरह की चर्चाएं के बीच घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। बताया जाता है कि एक ही परिवार की दो बेटियों की घर कुछ ही महीनों में उजड़ जाने से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं ग्रामीणों के बीच इस बात को लेकर कई तरह की चर्चाएं गर्म हैं कि आखिर ऐसी कौन सी वजह थी, जिसने रिश्ते को खौफनाक अंत तक पहुंचा दिया है। घटना की सूचना मिलते ही मुकामी पुलिस मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी तमकुहीराज तथा फॉरेंसिक टीम पहुंची और घटनास्थल की बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने कमरे से अवैध असलहा और चार फायरसुदा खोखे बरामद किए हैं। इस संबंध में पूछे जाने पर अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या के बाद आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से जांच कर रही है। फॉरेंसिक साक्ष्यों और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पड़ोसी से मारपीट करना पड़ा महंगा, तीन पर केस दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर थाना अंतर्गत बीते मंगलवार को कोटा बस्ती में दो पक्षों में हुई मारपीट में एक पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दिया है। कोटा बस्ती निवासी रवि पुत्र स्वर्गीय .ष्णा ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि बीते 12 मई को सुबह 8रू30 बजे पड़ोसी मुकेश पुत्र स्वर्गीय राजन, पवन पुत्र मुकन्द्र, अजय पुत्र विजय निवासी कोटा बस्ती द्वारा गाली गलोज करना शुरू किया।जिसका विरोध किया तो लोगों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। आरोप लगाया कि इससे पूर्व भी उक्त आरोपियों ने मारपीट किया था।पुलिस ने तीन पड़ोसियों के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दिया है।

डायमंड की दुनिया अब पडरौना में, किसना ने खोला शानदार शोरूम

कुशीनगर। जनपद के पडरौना शहर के गायत्री नगर कसया–पडरौना मार्ग पर बुधवार को प्रतिष्ठित ज्वेलरी ब्रांड किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने अपने नए एक्सक्लूसिव शोरूम का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश में ब्रांड का यह 29वां एक्सक्लूसिव शोरूम है। जिसने पडरौना को अब राष्ट्रीय ज्वेलरी बाजार के मानचित्र पर नई पहचान दिला दी है। इस भव्य उद्घाटन समारोह में सदर विधायक मनीष जायसवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल व हरिकृष्ण ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शहर के व्यापारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में ग्राहक शामिल हुए।नए शोरूम के उद्घाटन के साथ ही ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर्स की भी घोषणा की गई। कंपनी द्वारा डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 75 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, जबकि मंगल्यम कलेक्शन की गोल्ड ज्वेलरी पर मेकिंग चार्ज में 50 प्रतिशत तक की राहत दी गई है। इस अवसर पर घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि पडरौना में नए शोरूम का उद्घाटन किसना की विस्तार यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कंपनी के लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण बाजार है तथा ब्रांड का उद्देश्य आधुनिकता और पारंपरिक भारतीय शिल्पकला को एक साथ जोड़ते हुए ग्राहकों को भरोसेमंद और प्रीमियम ज्वेलरी उपलब्ध कराना है। उन्होंने "हर घर किसना " विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि कंपनी प्राकृतिक हीरों की खूबसूरती को देश के हर परिवार तक पहुंचाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। कंपनी के प्रतिनिधि पराग शाह ने कहा कि पडरौना में एक्सक्लूसिव शोरूम की शुरुआत से उत्तर प्रदेश में ब्रांड की मौजूदगी और मजबूत होगी। वहीं एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर अमृत गुप्ता एवं ऋषभ गुप्ता ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वे पडरौना में एक विश्वसनीय और राष्ट्रीय स्तर के ज्वेलरी ब्रांड को लेकर आए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि किसना की गुणवत्ता, डिजाइनों की विविधता और ग्राहक केंद्रित सेवाएं शहर के लोगों को नया अनुभव देंगी। सिर्फ व्यापारिक विस्तार तक सीमित न रहते हुए कंपनी ने सामाजिक सरोकारों का भी संदेश दिया। शोरूम लॉन्च के दौरान जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन वितरण अभियान चलाया गया। साथ ही स्वच्छ भारत अभियान के समर्थन में स्वच्छता अभियान और रक्तदान शिविर का आयोजन कर सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया।बतादे कि वर्ष 2005 में किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी शुरू हुआ जो आज देश के प्रमुख डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी ब्रांड्स में शामिल है। ब्रांड की पहुंच देश के 28 राज्यों में 1500 से अधिक शॉप–इन–शॉप आउटलेट्स तक है, जबकि देशभर में इसके 150 से अधिक एक्सक्लूसिव शोरूम संचालित हो रहे हैं।

पॉपकार्न के रोजगार करने वाले कारीगरो को मिलेगा निःशुल्क पॉपकार्न मेकिंग मशीन'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतम त्रिपाठी ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में निःशुल्क पॉपकार्न मेकिंग मशीन हेतु जनपद को मुख्यालय द्वारा 8 नग का वार्षिक लक्ष्य प्राप्त हुआ हैं, उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा निःशुल्क संचालित टूल किट्स वितरण योजनान्तर्गत परम्परागत कारीगरों एवं उद्योग में रुचि रखने वाले प्रशिक्षण प्राप्त एवं अनुभवी व्यक्ति कार्य करने वाले इच्छुक उद्यमियों को निःशुल्क पॉपकार्न मेकिंग मशीन देकर स्वरोजगार उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान है। पॉपकार्न बनाने वाले इच्छुक कारीगर/उद्यमी बोर्ड की वेबसाइट नचाअपइ.हवअ.पद की ऑनलाइन सेवाओं के अन्तर्गत ऑनलाइन टूल किट्स हेतु पंजीकरण कर सकते है और पंजीकरण करने की अन्तिम तिथि 25.05.2026 निर्धारित की गयी है, आवेदन ऑनलाइन उपरान्त हार्ड कापी कार्यालय में जमा किया जाना है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन पत्र स्वीकार्य नही किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये अधोहस्ताक्षरी के सी००जी० मो0नं0 9580503175 पर भी सम्पर्क कर सकते हैं।

बदस्त अवाम फरोक्त के लिए

सम्मन बगरज इनफिसाल मुकदमा न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय् (न्यायिक) नौगढ सिद्धार्थनगर

धारा 116 उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006
वाद सं0–3656/2025
मुसम्मात शान्ती बनाम ओम प्रकाश आदि

1. ओम प्रकाश पुत्र खदेरू साकिन मौजा–भीमापार तप्पा थरौली परगना व तहसील–नौगढ जनपद–सिद्धार्थनगर 2. सुन्दर पुत्र जमुना साकिन मौजा–भीमापार तप्पा थरौली परगना व तहसील–नौगढ जनपद–सिद्धार्थनगर आपके नाम मुसम्मात शान्ती ने बटवारा का वाद एक नालिश बाबत कायमी दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 05 सन् 2026 ई0 को उक्त न्यायालय में उपस्थित होवें तथा हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल अमूर मुत्तलिका मुकदमा का जवाब दे सकें या जिसके साथ कोई और शख्स हो जवाब ऐसे सावालात का दे सके, हाजिर होवें और जवाब देही दावा देवें और हरगाह वही तारीख 18/05/2026 को आपकी हाजिरी के लिए मुकरर्र है वास्ते इस इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है, पर आपको लाजिम है की उसी रोज उसके कुल जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही में ताईद इस्तेमाल करना चाहते हों उसी रोज पेश कीजिए, जिस तारीख को आपको उपस्थित होने के हुक्म दिया गया है।

और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बरवक्त मेंरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज तारीख 06 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

उपजिलाधिकारी (न्यायिक) , नौगढ़
जिला – सिद्धार्थनगर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

पेड्डी ट्रेलर रिलीज डेट आउट, 3 जून को होगा राम चरण के स्पोर्ट्स ड्रामा का पेड प्रीव्यू

मेगा पावरस्टार राम चरण अभिनीत पेड्डी इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है,

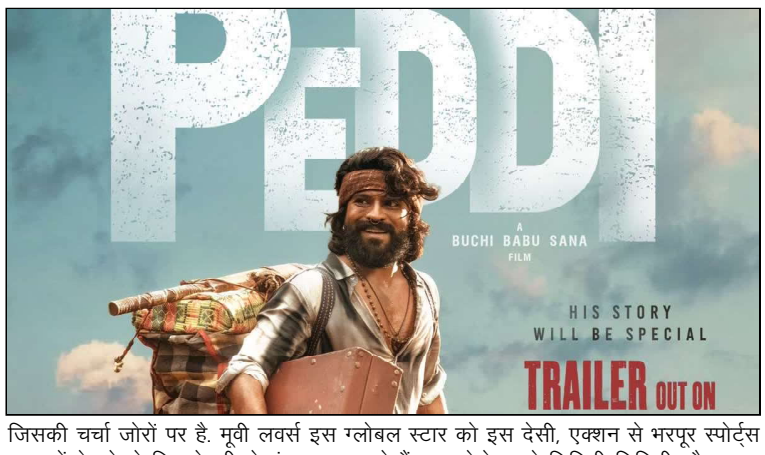

जिसकी चर्चा जोरों पर है. मूवी लवर्स इस ग्लोबल स्टार को इस देसी, एक्शन से भरपूर स्पोर्ट्स ड्रामा में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस प्रोजेक्ट के चिकिरी चिकिरी ओर रा रा राय राय गाने पहले ही ग्लोबल चार्टबस्टर बन चुके हैं, जिनमें राम चरण की झलकियां जबरदस्त धूम मचा रही हैं. अब मेकर्स ने फैंस की उत्सुकता को बरकरार रखने के लिए एक बड़ा एलान किया है. उन्होंने पेड्डी के ट्रेलर रिलीज का एलान किया है. मिथ्री मूवी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए पेड्डी के ट्रेलर के बारे में अपडेट दिया है. फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने बताया कि पेड्डी का ट्रेलर कब आ रहा है. पोस्टर में राम चरण देसी अवतार में नजर आ रहे हैं. इस दमदार पोस्टर के साथ मेकर्स ने ट्रेलर लॉन्च की डेट से पर्दा हटाया है. मेकर्स ने पोस्टर में लिखा है, मेगा पावरस्टार राम चरण की पेड्डी का ट्रेलर 18 मई को आएगा. इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, पेड्डी आपके दिलों में बस जाएगा. ट्रेलर 18 मई से. पेड्डी दुनिया भर के सिनेमाघरों में 4 जून को रिलीज होगी, और 3 जून को प्रीमियर होंगे. नए पोस्टर में राम चरण एक असली गांव वाले के अंदाज में नजर आ रहे हैं. उनके इस देसी अवतार को दिखाकर मेकर्स ने लोगों की बेसब्री को और बढ़ा दिया है. ऐसा लगता है कि बुची बाबू कुछ ऐसा तैयार किया है, जो पूरी दुनिया में धूम मचा देगा. लोग इस फिल्म को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, और उम्मीद है कि आने वाला ट्रेलर इस दीवानगी को और भी ज्यादा बढ़ा देगा. निर्देशक बुची बाबू सना के निर्देशन में और निर्माता वेंकट सतीश किलारू के सहयोग से, वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले बनी इस फिल्म में कलाकारों की एक जबरदस्त टोली शामिल है. फिल्म में राम चरण के अलावा जाह्नवी कपूर, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा भी नजर आएंगे. फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान तैयार कर रहे हैं. पेद्दी आधिकारिक तौर पर 4 जून, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज होने वाली है. मेकर्स इसे तेलुगु के अलावा, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज करेंगे. मगर रिलीज से पहले मेकर्स ने पेड प्रीव्यू का प्लान किया है, जो थिएटिकल रिलीज से ठीक एक दिन पहले यानी 3 जून को होगा.

सिस्टम में न्याय के लिए एकजुट होंगी सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका, फिल्म 22 मई को ओटीटी पर देगी दस्तक

आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऐसी फिल्मों की मांग बढ़ गई है, जो समाज के असली मुद्दों को दिखाती हों। इसी कड़ी में अब एक नई फिल्म सिस्टम सामने आने वाली है, जो कानून,

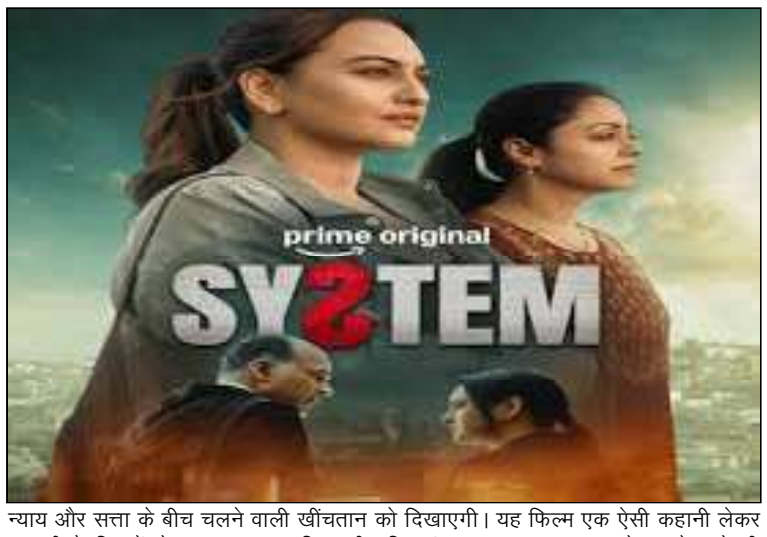

न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी। यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दो अलग–अलग दुनिया की महिलाएं एक साथ आकर सच को सामने लाने की कोशिश करती हैं। फिल्म सिस्टम 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह एक लीगल ड्रामा फिल्म है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक ताकतवर सरकारी वकील और एक साधारण स्टेनोग्राफर मिलकर उन सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें लंबे समय से दबाया गया है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां उन्हें यह तय करना पड़ता है कि वे सत्ता का साथ दें या सही का। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश नाम की पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का किरदार निभाया है, जो अपने काम में बहुत मजबूत और आत्मविश्वासी है। वहीं ज्योतिका सरिका रावत के रोल में नजर आएंगी, जो एक साधारण परिवार से आने वाली कोर्ट स्टेनोग्राफर है। दोनों की सोच, परवरिश और जिंदगी बिल्कुल अलग है, लेकिन जब बात न्याय की आती है तो वे एक साथ खड़ी होती हैं। फिल्म में इन दोनों का रिश्ता धीरे–धीरे मजबूत होता हुआ दिखाया जाएगा। फिल्म के प्रोड्यूसर हरमन बावेजा ने कहा, सिस्टम दो ऐसी महिलाओं की कहानी है, जो अपने–अपने तरीके से न्याय को समझती हैं और उसे पाने के लिए संघर्ष करती हैं। सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से इस कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है। फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है। फिल्म में प्रीति अग्रवाल, आदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया में ओरिजिनल कंटेंट के प्रमुख निखिल मधोक ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, सिस्टम एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रखेगी। इसमें महत्वाकांक्षा, न्याय और नैतिकता जैसे विषयों को बहुत ही दिलचस्प तरीके से दिखाया गया है। मेरा मानना है कि यह फिल्म हर मोड़ पर दर्शकों को चौंकाएगी और उन्हें सोचने पर मजबूर करेगी। सिस्टम 22 मई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

सोफी चौधरी ने टॉक शो की सफलता पर जताया आभार, खास नोट भी लिखा

गायिका और अभिनेत्री सोफी चौधरी इन दिनों चर्चित टॉक शो फेमसली फिट विद सोफी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। सोफी ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी टीम के लिए पोस्ट किया।

सोफी चौधरी ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे बॉलीवुड के सेलेबस के साथ नजर आ रही हैं। दर्शकों की तरफ से शो को मिल रहे अपार प्यार ने सोफी को भावुक कर दिया। उन्होंने पोस्ट के जरिए बताया कि इस शो को बनाने का उद्देश्य लोगों को फिटनेस की तरफ जागरुक करना और सेलेब्स के जीवन की बातें सभी के सामने लाना है। उन्होंने लिखा, फेमसली फिट विद सोफी को जो प्यार मिल रहा है, उससे मैं सच में बहुत भावुक और आभारी हूं। मैंने यह शो इसलिए बनाया था ताकि यह लोगों को प्रेरित, एंटरटेन और सेलेब्स के साथ उनके जीवन पर वास्तविक बातचीत करना था। सच कहूं, तो यह सब हमारे दर्शक और बेहतरीन टीम की वजह से संभव हो पाया है।

उन्होंने लिखा, मेरे शो में आए मेहमानों का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने अपनी सच्चाई, ह्यूमर और दिल से अपनी कहानियां शेयर कीं। आप सभी के साथ हर बातचीत बहुत खास रही। कैमरे के पीछे काम करने वाली पूरी टीम का भी बहुत धन्यवाद, जिन्होंने इस शो पर उतना ही भरोसा किया जितना मैंने किया था।

सोफी ने पर्दे के पीछे काम करने वाली प्रोडक्शन टीम, अमेजन ब्रैंड्स और एमएक्स प्लेयर के सहयोग की भी जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा, गौरव और पवनीत, इस सफर में साथ देने और प्रोजेक्ट को मिलकर बनाने के लिए बहुत शुक्रिया। साहिल, पवन और पूरी टीम, आपकी मेहनत और समर्पण के बिना यह संभव नहीं था। अभिनेत्री ने यह भी लिखा, मेरी पर्सनल टीम आप सभी के बिना यह सफर पूरा नहीं हो सकता था। तनीषा और अंशिका, आपका भी तहे दिल से धन्यवाद। मेरे लंबे समय से ट्रेनर प्रशांत बंदल समेत बाकी की टीम को मुझे फिट रखने के लिए दिल से धन्यवाद। मेरी प्यारी मम्मा, आप मेरा सबसे बड़ा सहारा हो, आपसे बहुत प्यार है और आखिरी में, सभी दर्शकों का बहुत–बहुत धन्यवाद।

फिर बदली वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है रिलीज डेट, अब 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी मूवी

आए दिन फिल्मों की रिलीज डेट में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले दिनों श्बंदरस्च की रिलीज डेट बदली। वहीं आज यश की मच अवेटेड श्टॉक्सिकच्य फिर आगे बढ़ गई। अब वरुण धवन की श्है जवानी तो इश्क होना ह्यै की रिलीज में भी एक बार फिर बदलाव किया गया है। 22 मई को रिलीज होने वाली ये फिल्म अब नए बदलाव के साथ अपनी पुरानी रिलीज डेट यानी 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। श्टॉक्सिकच्य की रिलीज डेट में बदलाव के बाद अब मेकर्स ने श्है जवानी तो इश्क होना ह्यै की रिलीज डेट को भी फिरसे बदल दिया है। दरअसल, श्है जवानी तो इश्क होना ह्यै अभी तक 22 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन आज जैसे ही श्टॉक्सिकच्य की रिलीज डेट 4 जून से आगे बढ़ी, वैसे ही मेकर्स ने श्है जवानी तो इश्क होना ह्यै की रिलीज को 22 मई से बदलकर 5 जून कर दिया है। जाहिर है कि श्है जवानी तो इश्क होना ह्यै की असल रिलीज डेट भी 5 जून ही थी, लेकिन 4 जून को श्टॉक्सिकच्य के रिलीज होने के चलते, मेकर्स ने इसे पहले 22 मई को ही रिलीज करने का फैसला किया था। लेकिन अब श्टॉक्सिकच्य 4 जून को रिलीज नहीं हो रही है। इसलिए वरुण धवन की फिल्म अपनी असल रिलीज डेट 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज डेट बदलने पर वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने फिल्म के दो नए पोस्टर भी साझा किए और साथ ही यश और मैडॉक फिल्म्स को धन्यवाद भी बोला। वरुण ने रिलीज डेट की जानकारी देते हुए लिखा, श्है जवानी तो इश्क होना है 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यश और मैडॉक फिल्म्स का धन्यवाद जिन्होंने हमारी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज डेट तय करने में मदद की। अब यह फिल्म अपनी तय तारीख पर ही रिलीज होगी। आईपीएल के बाद रिलीज होने वाली यह पहली फिल्म है।च श्है जवानी तो इश्क होना ह्यै की नई रिलीज डेट की घोषणा के बाद अब बॉक्स ऑफिस पर वरुण धवन की फिल्म की टक्कर बॉबी देओल की श्बंदरस्च से होगी। श्बंदरस्च भी 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित श्बंदरस्च को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना मिली है। ऐसे में फिल्म को लेकर लोगों में उत्सुकता है। अब देखना ये है कि 5 जून को होने वाले बॉक्स ऑफिस क्लैश में कौन सी फिल्म बाजी मारती है। डेविड धवन द्वारा निर्देशित श्है जवानी तो इश्क होना ह्यै में वरुण धवन के साथ पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में मौनी रॉय, जिम्मी शेरगिल, मनीष पॉल, चंकी पांडे और राकेश बेदी समेत कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

गाजर के शौकीन हैं? जानिए इससे बनाए जाने वाले व्यंजनों की रेसिपी

गाजर एक पौष्टिक और स्वादिष्ट सब्जी है। यह न केवल सलाद में अच्छी लगती है, बल्कि इससे कई तरह के स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं। गाजर में विटामिन–ए, विटामिन–सी और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं। आइए आज हम आपको गाजर से बनाए जाने वाले कुछ ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जो आपके खाने के स्वाद को बढ़ा देंगे और आपके मेहमान भी इसकी तारीफ करेंगे।

गाजर का हलवाः गाजर का हलवा एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है, जिसे खास मौकों पर बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले गाजरों को कद्दूकस करें और फिर उन्हें दूध में उबालें। दूध जब गाढ़ा हो जाए तो उसमें चीनी, घी, काजू और किशमिश डालकर पकाएं। अंत में इसमें इलायची पाउडर डालें और गर्मागर्म परोसें। यह मिठाई न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व भी आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

गाजर का रायताः गाजर का रायता एक ताजगी भरा व्यंजन है, जिसे आप किसी भी मुख्य भोजन के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दही को अच्छे से फेंट लें और उसमें कद्दूकस की हुई गाजर मिलाएं। इसके बाद इसमें भुना जीरा पाउडर, नमक और थोड़ा सा लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं। यह रायता न केवल खाने को स्वादिष्ट बनाता है बल्कि पाचन क्रिया को भी सुधारता है।

गाजर की सब्जीः गाजर की सब्जी एक सरल और पौष्टिक व्यंजन है, जिसे आप रोजाना बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर और अदरक–लहसुन का पेस्ट भूनें, फिर इसमें हल्दी, धनिया पाउडर और गरम मसाला मिलाएं। अब इसमें कटी हुई गाजर डालकर धीमी आंच पर पकाएं जब तक वे नरम न हो जाएं। अंत में हरी मिर्च और धनिया पत्ती डालकर गर्मागर्म परोसें। यह सब्जी न केवल स्वादिष्ट है बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है।

गाजर का अचारः गाजर का अचार एक अनोखा और स्वादिष्ट अचार है, जिसे आप लंबे समय तक रख सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले गाजरों को लंबाई में काट लें और धूप में सुखा लें। अब सरसों तेल गर्म करके उसमें मेथी दाना, सौंफ दाना, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। इसके बाद सूखी हुई गाजरें डालकर अच्छे से मिलाएं और बोतल में भर दें। यह अचार आपके खाने को अलग ही स्वाद दे सकता है।

गाजर की खीरः गाजर की खीर एक मीठा व्यंजन है, जिसे आप किसी भी खास मौके पर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले दूध को उबालें और उसमें कद्दूकस की हुई गाजर डालें। धीमी आंच पर पकने दें जब तक कि गाजर नरम न हो जाएं। अब इसमें चीनी डालें और अच्छे से मिलाएं। अंत में इलायची पाउडर डालें और ठंडा होने पर परोसें। यह खीर स्वादिष्ट होने के साथ–साथ पौष्टिक भी है।